Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 60 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शुक्रवार 04 सितम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

भारत-बेल्जियम संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी, हजारों भारतीय सैनिकों का बलिदान साझा स्मृति का हिस्सा : पीएम मोदी

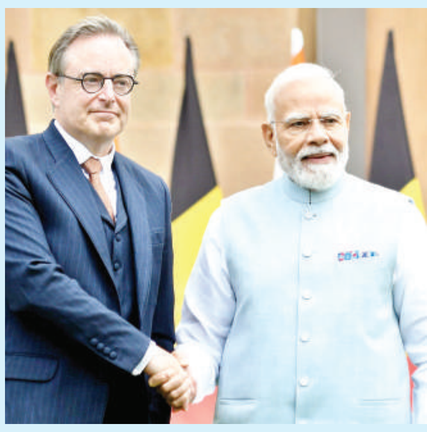

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री मोदी ने बार्ट डी वेवर का उनकी पहली भारत यात्रा पर स्वागत करते हुए कहा कि हालांकि यह उनकी पहली भारत यात्रा है, लेकिन भारत से उनका परिचय पुराना है। उन्होंने कहा कि वेवर लंबे समय तक एंटवर्प के मेयर रहे हैं और उन्होंने एंटवर्प के बड़े भारतीय समुदाय तथा भारत-बेल्जियम हीरा व्यापार को हमेशा समर्थन दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत और बेल्जियम के ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि दोनों देशों के रिश्तों की जड़ें इतिहास में गहरी हैं। उन्होंने कहा कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों का साहस और बलिदान दोनों देशों की साझा स्मृति का अहम हिस्सा है । प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच मजबूत संपर्क भारत और बेल्जियम को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं।

हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की । इस दौरान दोनों नेताओं की मौजूदगी में भारत और बेल्जियम के बीच विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान हुआ । इन समझौतों में रक्षा, खाद्य और स्वच्छ ऊर्जा समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं ।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने गुरुवार को नई दिल्ली की अपनी ऐतिहासिक आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति बताते हुए आर्थिक और रणनीतिक मोर्चों पर द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया। डी वेवर ने भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला सबसे बड़ा लोकतंत्र बताते हुए नई दिल्ली को एक महत्वपूर्ण सहयोगी कहा ।

बेल्जियम ने भारत को प्रमुख आर्थिक और तकनीकी साझेदार बताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त संबोधन में बेल्जियम के नेता ने कहा, पिछले 20 वर्षों में पहले बेल्जियम के प्रधानमंत्री के रूप में यहां आना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह बहुत लंबा समय है। यह वाकई बहुत लंबा है । इन 20 वर्षों में भारत में बहुत बड़ा बदलाव आया है और निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के दौरान, आज आप न केवल दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, बल्कि सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भी हैं। यह एक आर्थिक और तकनीकी महाशक्ति और एक प्रमुख भू-राजनीतिक कारक बन गया है, जिसकी आवाज इस क्षेत्र से कहीं आगे तक सुनाई देती है। बेल्जियम के लिए, इससे भारत एक महत्वपूर्ण साझेदार बनता जा रहा है।

– कमल नयन नारंग

रायगढ़ की बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान

■ सोनम, शांति और मानसी ने भारतीय महिला लैक्रॉस टीम के साथ मलेशिया में जीता कांस्य पदक

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ राज्य के रायगढ़ जिले के रायगढ की बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर देश और छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय लैक्रॉस टूर्नामेंट में भारतीय महिला लैक्रॉस टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगापुर को पराजित कर कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय टीम की इस उपलब्धि में रायगढ़ जिले के महलोई क्षेत्र की तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों सोनम बंजारा, शांति प्रधान और मानसी भूमिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी के प्रोत्साहन और रायगढ़ जिला प्रशासन के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेकर पदक जीतकर रायगढ़ लौटने के बाद तीनों खिलाड़ी अपने कोच देवावतार चौधरी के साथ कलेक्टोरेट पहुंचीं और कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी से मुलाकात की। कलेक्टर ने खिलाड़ियों को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि रायगढ़ की बेटियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर पदक जीतना पूरे जिले और प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी हरसंभव सहयोग और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

कोच देवावतार चौधरी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और जुझारू प्रदर्शन का परिचय दिया। सिंगापुर के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार जीत दर्ज करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी और जिला प्रशासन से लगातार सहयोग एवं प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है।

रायगढ़ की तीनों खिलाड़ियों की यह उपलब्धि जिले की अन्य खेल प्रतिभाओं के लिए भी प्रेरणादायी है। सोनम बंजारा, शांति प्रधान और मानसी भूमिया ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर यह साबित किया है कि उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और अवसर मिलने पर छत्तीसगढ़ की बेटियां वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकती हैं। खिलाड़ियों एवं कोच ने इस उपलब्धि के लिए वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

गंगरेल बांध के खुले 3 गेट, महानदी तटीय गांवों में अलर्ट

■ धमतरी में भारी बारिश से उफान पर नदियां

रायपुर (विश्व परिवार)। धमतरी जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित होने लगा है, वहीं क्षेत्र के सभी प्रमुख जलाशय अब पूरी तरह लबालब हो चुके हैं। कैचमेंट एरिया से हो रही पानी की भारी आवक को देखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर गंगरेल बांध (रविशंकर सागर जलाशय) के तीन गेट खोल दिए गए हैं, जिनसे कुल 4,670 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें से 3,360 क्यूसेक पानी सीधे महानदी में बह रहा है, जबकि 1,410 क्यूसेक पानी रुद्री बैराज के रास्ते मुख्य नहर में प्रवाहित किया जा रहा है। मौसम विभाग द्वारा आगे भी बारिश की संभावना जताए जाने से महानदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने की आशंका है, जिसे देखते हुए कलेक्टर ने तटीय और निचले इलाकों में स्थित गांवों के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

वर्तमान में जिले के जलाशयों की स्थिति बेहद संवेदनशील बनी हुई है। मुरूमसिल्ली जलाशय अपनी क्षमता का 98.61 प्रतिशत भर चुका है और उसमें 362 क्यूसेक पानी की आवक बनी हुई है। वहीं गंगरेल जलाशय 97.40 प्रतिशत भरकर 3,365 क्यूसेक आवक दर्ज कर रहा है। इसके अलावा दुधावा जलाशय 86.86 प्रतिशत (437 क्यूसेक आवक) और सोंढूर जलाशय 69.25 प्रतिशत (167 क्यूसेक आवक) तक भर चुके हैं। जलाशयों में लगातार बढ़ते पानी के दबाव को नियंत्रित करने के लिए ही महानदी में जलप्रवाह बढ़ाया गया है।

मुख्य सचिव ने रिक्त पदों और भर्तियों पर ली उच्च स्तरीय बैठक

■ प्रमुख विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन के सभी विभागों के भारसाधक सचिवों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में प्रदेश के विभिन्न प्रशासकीय विभागों में स्वीकृत, भरे और रिक्त पदों की वर्तमान स्थिति की विस्तृत विभागवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल (व्यापमं) द्वारा आयोजित की जा रही भर्ती परीक्षाओं और भेजे गए इंडेंट की प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही, विभागों में रिक्त पदों की पूर्ति हेतु वित्त विभाग से मिली सहमति, पूर्व में विज्ञापित पदों की स्थिति तथा अब तक की गई नियुक्तियों का ब्योरा तलब किया गया। बैठक में वर्ष 2027 के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अधिसूचित किए जाने वाले संभावित पदों और सभी विभागों में अद्यतन भर्ती नियमों की स्थिति पर भी गहनता से चर्चा हुई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य शासकीय विभागों में भर्ती प्रक्रियाओं को गति देना, नियमों को अद्यतन करना और आने वाले वर्षों के लिए नियोजन की स्पष्ट रूपरेखा तैयार करना था। इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में विभिन्न प्रमुख विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और छत्तीसगढ़ चयन मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋर्चा शर्मा, गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं छत्तीसगढ़ चयन मंडल के अधिकारी मौजूद थे।

स्वाइन फ्लू और कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

■ स्वाइन फ्लू के 152 केस, कोरोना के भी 2 मरीज! स्वास्थ्य मंत्री ने जारी की बड़ी अपील

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू और कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने लोगों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील की है। स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक, प्रदेश में अब तक स्वाइन फ्लू के 152 मरीज सामने आए हैं। इनमें से 114 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 38 मरीजों का इलाज जारी है। वहीं, कोरोना के भी 2 मरीज सामने आए हैं।

मंत्री ने कहा कि पैनिक होने की जरूरत नहीं है। मेकाहारा जिला अस्पताल में जांच की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि कोरोना से निपटने के लिए पहले लगाए गए टीकों के कारण लोगों में प्रतिरोधक क्षमता बनी हुई है। स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों से अपील की कि स्वाइन फ्लू या कोरोना के लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न करें और तुरंत अस्पताल पहुंचकर जांच एवं उपचार कराएं। जिलेवार स्थिति देखें तो रायपुर में सबसे ज्यादा 66 पॉजिटिव केस हैं। इनमें 58 मरीज रिकवर हो चुके हैं और 8 एक्टिव केस हैं। बिलासपुर में 20, दुर्ग में 17, रायगढ़ में 10 और धमतरी व कोरबा में 9-9 पॉजिटिव मरीज मिले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में स्वाइन फ्लू से अब तक कोई मौत दर्ज नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग संक्रमित मरीजों की निगरानी और उपचार कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में तीन पदाधिकारियों को मिला राज्य मंत्री का दर्जा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य के विभिन्न निगम, मंडल और आयोग के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। इस संबंध में शासन ने 2 सितंबर को आदेश जारी किया है।

जारी आदेश के अनुसार, संजय अग्रवाल को छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग के अध्यक्ष के रूप में राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है। अजय शुक्ला को छत्तीसगढ़ राज्य आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में राज्य मंत्री का दर्जा मिला है। वहीं शरद अवस्थी को इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के रूप में राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है।

नियमानुसार मिलेंगी सुविधाएं

शासन के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राज्य मंत्री का दर्जा केवल शिष्टाचार (प्रोटोकॉल) के लिए प्रदान किया गया है। संबंधित पदाधिकारियों को नियमानुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने का उत्तरदायित्व संबंधित प्रशासनिक विभाग/आयोग का होगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि यह सूची किसी प्रकार की वरिष्ठता या प्रोटोकॉल की स्थिति नहीं दर्शाती है। राज्य मंत्री का दर्जा आदेश जारी होने की तारीख से प्रभावशील होगा।

अश्विनी वैष्णव ने रेलवे सुरक्षा, तकनीकी और रखरखाव संबंधी कमियों के सुधार के निर्देश दिए

■ निम्न गुणवत्ता वाली आपूर्ति और जानबूझकर की गई लापरवाही पर सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेल भवन में एक विस्तृत सुरक्षा समीक्षा बैठक की। बैठक में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड के सदस्य, जोनल रेलवे के महाप्रबंधक, महानिदेशक (DGs) एवं मंडल रेल प्रबंधक (DRMs) उपस्थित रहे।

रेल मंत्री ने बैठक के दौरान सिग्नलिंग से संबंधित तकनीकी कमियों को मिशन मोड में दूर करने के निर्देश दिए। ओवरहेड इक्विपमेंट (ह॥श्च) के संबंध में, जिन स्थानों पर कंपोनेंट्स की निर्धारित सेवा अवधि पूरी हो चुकी है, वहां उनके रखरखाव और प्रतिस्थापन के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। रेल मंत्री ने कोचों के रखरखाव, विशेषकर फायर सेफ्टी से संबंधित इलेक्ट्रिकल सर्किट एवं वायरिंग पर विशेष ध्यान देकर वर्कशॉप में मेंटेनेंस के स्तर को सुधारने के निर्देश दिए। रेल मंत्री ने वैगन और कोच के कपलर तथा पहियों के रखरखाव पर भी ध्यान देने को कहा। ट्रैक के रखरखाव के संबंध में पॉइंट मशीन, टर्नआउट और फास्टनर का उचित रखरखाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक

■ विकसित भारत के निर्माण में महिला सशक्तिकरण प्राथमिक आवश्यकता: चौहान

मुंबई। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मुंबई में आज उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह-बैंक लिंकेज और व्यक्तिगत उद्यम वित्तपोषण की समीक्षा करते हुए महिला उद्यमियों के लिए तेज़, पर्याप्त और सुलभ क्रेडिट का ठोस रोडमैप तैयार किया गया, साथ ही हेल्प लाइन के लिए भी शिवराज सिंह ने निर्देशित किया। बैठक में स॥त्र दीदियों, बैंकर्स, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अधिकारियों, भारतीय रिज़र्व बैंक राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक और अन्य हितधारकों ने मिलकर लोन प्रक्रिया की बाधाओं, क्षेत्रीय असमानताओं और समाधान के उपायों पर विस्तृत चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मुंबई में संपन्न उच्चस्तरीय बैठक में स्वयं सहायता समूह की दीदियों के लिए बैंक क्रेडिट की व्यवस्था को और सुगम बनाने का ठोस रोडमैप तैयार किया गया है। बैठक में न केवल आँकड़ों की समीक्षा हुई, बल्कि जमीनी स्तर की समस्याओं- लोन स्वीकृति में देरी, कागजी कार्रवाई, छोटे क्रेडिट लिमिट और शाखा स्तर की कठिनाइयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान, महाराष्ट्र के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री जयकुमार गोरे तथा राज्य मंत्री श्री योगेश कदम, केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री रोहित कंसल, संयुक्त सचिव श्री अमित कुमार शुक्ला और श्रीमती स्वाति शर्मा एवं ग्रामीण विकास विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा वित्तीय सेवा विभाग, नीति आयोग, भारतीय रिज़र्व बैंक, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक और पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा, विकसित भारत के निर्माण के लिए महिला सशक्तिकरण प्राथमिक आवश्यकता है। आज की बैठक हमारी केवल कर्मकांड नहीं थी, उस दिशा में आगे बढ़ने का एक गंभीर प्रयास थी। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में बहुत गंभीर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न को सामने रखते हुए केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस बार भी लाल किले की प्राचीर से उन्होंने राष्ट्र के सामने अपने संकल्प को व्यक्त किया।

पाक के एफ-16 को गिराने वाले अभिनंदन ने छोड़ी वायुसेना

नई दिल्ली। लाइन ऑफ कंट्रोल के ऊपर 27 फरवरी, 2019 को हुई डॉगफाइट के दौरान पाकिस्तानी F-16 लड़ाकू विमान को मार गिराने वाले और वीर चक्र से सम्मानित ग्रुप कैप्टन अभिनंदन ने भारतीय वायु सेना छोड़ दी है और एक प्राइवेट एयरलाइन जॉइन कर ली है। अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि उन्होंने 31 मार्च को वायुसेना को छोड़ दिया और बाद में रीजनल एयरलाइन स्नद्य491 से जुड़ गए। अभिनंदन जिस हवाई लड़ाई में शामिल थे, वह घटना आईएएफ के मिराज-2000 विमानों द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में ठिकानों पर हमले के एक दिन बाद हुई थी।

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, शुक्रवार 04 सितम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

कीचड़ भरे रास्तों से नक्सल पीड़ितों के घर तक पहुंचे डॉ. प्रेमा साईं, बांटी मदद और जगाया भरोसा

बीजापुर (विश्व परिवार)। बस्तर के घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में बारिश, कीचड़ और कठिन रास्तों के बीच मां मातंगी दिव्य धाम के पीठाधीश्वर डॉ. प्रेमा साई जी महाराज नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे। उद्देश्य था–उनकी पीड़ा को करीब से समझना, उनका हालचाल जानना और जरूरत के समय उनके साथ खड़ा होना। यमपुर (पामेड़) से लेकर नेलाकांकेर तक की इस यात्रा में जहां एक ओर रास्ते की मुश्किलों ने परीक्षा ली, वहीं दूसरी ओर पीड़ित परिवारों के चेहरों पर आई मुस्कान इस यात्रा की संवेदनशील तस्वीर बन गई।

यमपुर पहुंचने के दौरान बारिश और कीचड़ के कारण महाराज जी का काफिला मुश्किल में फंस गया। एक वाहन कीचड़ में फंस गया, जबकि काफिले की एक अन्य गाड़ी खराब हो गई। इसके बावजूद यात्रा नहीं रोकी गई। कठिन परिस्थितियों के बीच महाराज जी ग्रामीणों के बीच पहुंचे और नक्सल हिंसा में जान गंवाने वाले परिवारों से मुलाकात की।

चार परिवारों तक पहुंचा सहयोग का संदेश :- यमपुर और नेलाकांकेर की इस यात्रा में डॉ. प्रेमा साईं जी महाराज ने कुल चार नक्सल पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। आर्थिक सहायता के साथ महिलाओं को साड़ी और बच्चों को कपड़े तथा शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। वहीं तिरुपति सोढ़ी की बेटी संध्या की शादी का पूरा खर्च उठाने की घोषणा ने इस यात्रा को एक अलग मानवीय आयाम दिया।

बारिश, कीचड़, खराब वाहन और दुर्गम रास्तों की चुनौतियों के बावजूद अंदरूनी गांवों तक पहुंची यह यात्रा इस बात का संदेश देती नजर आई कि नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों को केवल राहत नहीं, बल्कि सम्मान, अपनत्व, विश्वास और भावनात्मक सहारे की भी जरूरत है।

मोदी, शाह, साय और शर्मा को बताया 'देव पुरुष' :- ग्रामीणों से बातचीत के दौरान डॉ. प्रेमा साई जी महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा का उल्लेख करते हुए उन्हें 'देव पुरुष' बताया। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से बस्तर में शांति और सामान्य जीवन की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति और विकास की दिशा में हो रहे प्रयासों का सबसे बड़ा लाभ यहां के आम ग्रामीणों और नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों तक पहुंचना चाहिए।

यमपुर में दो परिवारों को 21-21 हजार की सहायता :- ग्राम यमपुर (पामेड़) में डॉ. प्रेमा साई जी महाराज ने नक्सल हिंसा में वर्ष 2025 में जान गंवाने वाले सुन्नम सम्मैया और वेक्को संदीप के परिवारों से मुलाकात की। सुन्नम सम्मैया की पत्नी नर्सम्मा और उनके दो छोटे बच्चों से महाराज जी ने बातचीत कर परिवार की स्थिति जानी। वहीं वेक्को संदीप की पत्नी आरती और उनके नौ वर्षीय पुत्र से भी मुलाकात की। दोनों परिवारों की परिस्थितियों को समझने के बाद महाराज जी ने 21-21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इसके साथ ही महिलाओं को साड़ी और बच्चों को कपड़े, कॉपी, पेन, कंपास बॉक्स व चप्पल वितरित की गई। ग्रामीणों को दिव्य कवच और भभूति भी प्रदान की गई।

ग्रामीणों के बीच बैठकर किया भोजन :- दुर्गम रास्तों की परेशानियों के बावजूद महाराज जी ने ग्रामीणों के बीच पर्याप्त समय बिताया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर भोजन किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उनके इस सहज और आत्मीय व्यवहार ने ग्रामीणों के बीच अपनत्व का भाव पैदा किया। यमपुर के बाद डॉ. प्रेमा साई जी महाराज ग्राम नेलाकांकेर पहुंचे। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया और बड़ी संख्या में लोगों ने उनसे आशीर्वाद लिया। यहां उन्होंने नक्सल हिंसा में वर्ष 2026 में मारे गए 40 वर्षीय तिरुपति सोढ़ी के परिवार से मुलाकात की। पत्नी शांति और पांच संतानों वाले परिवार की परिस्थितियों को जानने के बाद महाराज जी ने परिवार को 31 हजार और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

बेटी संध्या की कन्या दान करेंगे डॉ प्रेमसाई महराज :- पीड़ित परिवार से बातचीत के दौरान डॉ. प्रेमा साई जी महाराज ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि तिरुपति सोढ़ी की बेटी संध्या की शादी का पूरा खर्च वे स्वयं उठाएंगे और कन्यादान करेंगे। महाराज जी की इस घोषणा से परिवार के सदस्यों के साथ ग्रामीण भी भावुक हो उठे। इस पहल को आर्थिक सहायता से आगे बढ़कर एक परिवार की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेने के रूप में देखा गया। नेलाकांकेर में महाराज जी ने 23 वर्षीय रवि कट्टम के परिवार से भी मुलाकात की। रवि की वर्ष 2026 में नक्सल हिंसा में मृत्यु हुई थी। वे अपने परिवार की इकलौती संतान थे। परिवार की स्थिति जानने के बाद डॉ. प्रेमा साई जी महाराज ने 31 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की और भविष्य में भी यथासंभव मदद का भरोसा दिलाया।

भोजली विसर्जन में दिखी आस्था और उत्साह की रंगीन छटा

कोरबा (विश्व परिवार)। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गेवरा परियोजना, कोरबा में आज पारंपरिक एवं सांस्कृतिक आस्था से जुड़े भोजली विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के भैया-बहनों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर भोजली बोने वाले प्रतिभागियों के बीच प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर उनकी मेहनत और सहभागिता का सम्मान किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी श्री ओम केंवट, जयनेन्द्र कुर्रे, श्रीमती ज्योति चैरसिया एवं श्री दीपक पाराशर उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी लोक परंपराओं, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से जुडने का अवसर मिला।

भोजली प्रतियोगिता में रिया गुप्ता ने प्रथम स्थान, मधु गुप्ता ने द्वितीय स्थान तथा महिमा लकड़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी सांस्कृतिक एवं पारंपरिक आयोजनों में बढ़-चढकर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्राचार्य श्री बजरंग लाल पटवा ने भोजली उत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भैया-बहनों को आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भोजली हमारी लोक संस्कृति और परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

OF THE MUNICIPAL COUNCIL, JAMUL, DISTT. - DURG (C.G.)
E-PROCUREMENT TENDER NOTICE (2ND CALL)
Main Portal: http//eproc.cgstate.gov.in

No./572/ Nivida Aamntran/2025-26 Jamul Dated:02/09/2026

System Tender No.	Name of work / Description of work	Probable Amount of contract	Earnest Money	Bid Start Date Deposit	Bid Due date	Physical submission of EMD (FDR)
198781	Construction of Garden be side of Ward No. 16 office Building (on the canal bank)	Rs. 23.64Rs. Lacs	18,000.00 EMD (FDR) in favour of Chief Municipal Officer, Municipal Council Jamul, Dist-Durg (C.G.)	Dated- 03-09-2026 Time- 10.30 AM	18-09-2026 Time-05.30	Dated-22-09-2026 Time-05.30 PM

The Details can be viewed and downloaded online derectly from the Government of Chhattisgarh e-procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in and Urban Administration and Development Department portal on www.uad.cg.gov.in from 03-09-2026 10.30 PM (IST) on wards. For more details on the tender and building process you may please visit the above-mentioned portal.

Chief Municipal Officer
Municipal Council, Jamul

महिलाओं के संपत्ति अधिकार को मजबूत कर रही विष्णु भैया की सरकार

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी की पहल से महिलाओं को संपत्ति में अधिकार दिलाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। महिलाओं के पक्ष में अचल संपत्ति के अंतरण से संबंधित दस्तावेजों पर पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का सीधा लाभ अब प्रदेश की महिलाओं को मिल रहा है। रायगढ़ की श्रीमती शर्मिला मिश्रा ने इस सुविधा का लाभ उठाते हुए जमीन की रजिस्ट्री कराई, जिससे उन्हें करीब 25 हजार रुपये की बचत हुई। उन्होंने इस जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया।राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार महिलाओं के नाम पर जमीन एवं अन्य अचल संपत्ति की रजिस्ट्री कराने पर पंजीयन शुल्क की दर को आधा कर दिया गया है। पहले संपत्ति के बाजार मूल्य के आधार पर 4 प्रतिशत की दर से पंजीयन शुल्क लिया जाता था, जिसे अब महिलाओं के पक्ष में होने वाली रजिस्ट्री के लिए घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया गया है। इस निर्णय से महिलाओं के नाम पर संपत्ति खरीदने और संपत्ति में उनकी भागीदारी बढ़ाने को प्रोत्साहन मिल रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
मेंटेनेंस कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक: 31-सीईई-सी-एसईसीआर-2026, दिनांक: 25.08.2026. **कार्य का नाम:** "बिलासपुर रेलवे सैटलमेंट में निर्माण भवन (कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग) के विभिन्न प्रकार के स्प्लिट एयर–कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर, वॉटर कूलर, वॉटर प्यूरीफायर, सेंट्रलाइज्ड एयर कूलिंग सिस्टम और इलेक्ट्रिकल एसेट्स (उपकरणों) का 03 (तीन) साल की अवधि के लिए कॉम्प्रिहेंसिव/सालाना/ब्रेकडाउन मेंटेनेंस का कार्य।" **निविदा मूल्य:** ₹ 48,17,693.1 (₹ अड़तालीस लाख सत्रह हजार छह सौ तिरानवे और दस पैसे मात्र)। **बयाना राशि:** ₹ 96,400/- (₹ छियानवे हजार चार सौ मात्र)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: 18.09.2026 को 15:30 बजे। निविदा खुलने की तिथि व समय: 18.09.2026 को 15:45 बजे। कार्य पूर्ण होने की अवधि: स्वीकृत का पत्र जारी होने की तारीख से 36 (छत्तीस) माह।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान: उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ ई–निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई–निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)/ बिलासपुर
सीपीआर/10/पीएच/378
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34903/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34903
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651A00432** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHAHZAD SULTAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHEIKH SULTAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MOHAMMED SALIM MEMAN AND NASIM PARVEEN MEMAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABDUL SALIM MEMAN AND MOHAMMAD SALIM MEMAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34791/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34791
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446B00595** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BASANTI SAHAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANAND MOHAN SAHAY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANAND MOHAN SAHAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. INDERJEET SAHAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मृत्यु प्रमाण पत्र व सहमति पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34986/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34986
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445B00064** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JANKI BAI WADHWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AASHUDA MAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAHESH WADHWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. AASHUDA MAL WADHWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34946/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34946
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446O0357A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHAKLU RAM KOSHLE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **POONAM KOSHLE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JAGANNATH KOSARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. BHAKLU RAM KOSARIYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मृत्यु प्रमाण पत्र व सहमति पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34945/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34945
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446O00357** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHAKLU RAM KOSHLE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **POONAM KOSHLE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHINTA RAM KOSARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. BHAKLU RAM KOSARIYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मृत्यु प्रमाण पत्र व सहमति पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34943/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34943
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446D00571** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL LAND KABIJ - DAAMU SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BAYNO SONI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RATHO DURGA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW GHUMUSTA DURGA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34988/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34988
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446H00443** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL ROOPSHANKAR PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AMILAL PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUREKHA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMSHARAN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34944/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 02-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34944
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109C00222** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAHETRU RAM YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LALURAM YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHANDRASHEKHAR YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O MEHATRU RAM YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **01.SHAPAT PATRA 02.DEATH CERTIFICATE 03. B1 04. TAX RASID 05.PURAN PROPERTY PEPAR KE AADHAR PAR**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34942/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 02-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34942
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108A00450** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LAKHESHWARI VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **INDRAMANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **01.AMBIKA GUPTA 02. SNEHA GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **01.S/O INDRAMANI PRASAD GUPTA 02. W/O AMBIKA GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34948/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34948
वार्ड का नाम-19-डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 19 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802A00481** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **D. KRISHNA RAO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D. NARAYAN RAO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **D. SANTOSH RAO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D . KRISHNA RAO** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार समोदा

मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ :- जिला रायपुर तहसील-आरंग प.ह.न.-00005 कोरासी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक CG-2026-27-104-1-1613

इश्तिहार

तहसील आरंग के **प.ह.न. 00005** के अंतर्गत ग्राम कोरासी के वर्तमान भूमिस्वामी **परेटा बाई पिता/पति-विश्राम पता-कोरासी** के द्वारा धारित **भूमि खसरा क्रमांक** 2406/6(0.4000) में प्रस्तावित भूमिस्वगामी/क्रेता **हितेश कुमार पिता/पति-शंकर लाल देवांगन पता-कोरासी** के नाम पर पंजीयन / फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई **दिनांक 08/07/2026** को **समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार समोदा पर की जावेगी।** उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व था सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आभमुख्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज **दिनांक 15/06/2026** को जारी किया जाता है।

मुहर
नायब तहसीलदार:
GAJANAND SIDAR
आरंग

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल** द्वारा **कालोनी सेजबहार, जिला-रायपुर, में स्थित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित भवन क्र. एल.आई.जी -1082, श्री संदीप कुमार सोनी, पिता श्री केदार प्रसाद सोनी, निवासी:- अशोका रत्न, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के आंबटन **आदेश क्र. 6501 दिनांक 15.11.2006** के माध्यम से एकमुश्त आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 04.02.2011** को सेलडी निष्पादित कराने के उपरांत पत्र **क्रमांक 1000 दिनांक 13.03.2013** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। आंबटी **श्री संदीप कुमार सोनी, पिता श्री केदार प्रसाद सोनी** द्वारा उक्त भवन को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेतागण (1) **श्रीमती सुनीता दुपारे, पति श्री कोमल कुमार दुपारे, (2) श्री कोमल कुमार दुपारे पिता स्व. श्री जुगल किशोर दुपारे दोनों निवासी:-क्वाटर नंबर-418, जनता कॉलोनी, गुढियारी, रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./35041/न.पा.नि./जोन क्रं.-6/2026
रायपुर दिनांक : 03-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35041
वार्ड का नाम-62- शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR650F00164** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **CHAMELI BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O BALMIKI SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RENU SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **UMAKANT SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SHAPATH PATRA AND SHAHMATI** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./35042/न.पा.नि./जोन क्रं.-6/2026
रायपुर दिनांक : 03-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35042
वार्ड का नाम-62- शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR650B00244** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SUNIL KARMAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAN LAL KARMAKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KAVITA KARMAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUNIL KARMAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SHAPATH PATRA AND SHAHMATI** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

करीब 400 करोड़ के सरकारी प्रिंटिंग टेंडर पर बड़ा फैसला, विवादों के बीच टेंडर निरस्त

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के शासकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग से जुड़े करीब 400 करोड़ रुपये के प्रिंटिंग कार्य के विवादित टेंडर को आखिरकार निरस्त कर दिया गया है। विभाग ने 7 अगस्त 2026 को जारी ऑनलाइन टेंडर क्रमांक 469 को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का आदेश जारी किया है। हालांकि, टेंडर निरस्त करने की वजह के तौर पर विभाग ने सिर्फ 'कुछ अपरिहार्य कारण' बताए हैं।

यह टेंडर अपनी पात्रता शर्तों और प्रक्रिया को लेकर पहले से ही विवादों में था। प्रदेश की कई स्थानीय प्रिंटिंग फर्मों ने टेंडर की शर्तों पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री से शिकायत की थी। कारोबारियों का आरोप था कि करोड़ों रुपये के शासकीय प्रिंटिंग कार्यों में लंबे समय से कुछ सीमित फर्मों को ही लगातार अवसर मिल रहा है और मौजूदा टेंडर की कई शर्तें छोटे एवं मध्यम प्रिंटिंग कारोबारियों के लिए बेहद कठिन हैं।

400 करोड़ के प्रिंटिंग कार्यों की जांच की मांग

स्थानीय प्रिंटिंग कारोबारियों की शिकायत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान शासकीय मुद्रणालय के माध्यम से कराए गए करीब 400 करोड़ रुपये के प्रिंटिंग कार्यों का उल्लेख किया गया था। शिकायतकर्ताओं ने पूर्व में जारी टेंडरों, वर्क ऑर्डर, रू-1 दरों और भुगतान प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की थी।

कारोबारियों ने आरोप लगाया था कि कुछ चुनिंदा फर्मों को लगातार सरकारी प्रिंटिंग के काम मिलते रहे हैं। उन्होंने पूरी प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने की मांग सरकार के सामने रखी थी।

पात्रता शर्तों पर भी उठे सवाल

नए टेंडर की पात्रता शर्तें भी स्थानीय मुद्रकों के निशाने पर थीं। शिकायत के अनुसार, टेंडर में भाग लेने के लिए 5 करोड़ रुपये का वार्षिक टर्नओवर, वेब ऑफसेट मशीन सहित कई प्रकार की मशीनरी और करीब 20 हजार वर्गफुट की अधोसंरचना जैसी शर्तें निर्धारित की गई थीं।

स्थानीय प्रिंटिंग फर्मों का कहना था कि इस तरह की कठोर शर्तों के चलते छोटे और मध्यम स्तर के सक्षम मुद्रकों के लिए टेंडर प्रक्रिया में भाग लेना मुश्किल हो जाता है। कारोबारियों ने सरकार से मांग की थी कि पात्रता मानदंड इस तरह निर्धारित किए जाएं, जिससे स्थानीय और सक्षम प्रिंटिंग फर्मों को भी समान अवसर मिल सके।

शिकायतों के बीच 1 सितंबर को जारी हुआ कैंसिलेशन नोटिस

टेंडर को लेकर चल रहे इस पूरे विवाद के बीच शासकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग के निदेशक कार्यालय ने 1 सितंबर 2026 को टेंडर कैंसिलेशन नोटिस जारी किया। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि ऑनलाइन टेंडर क्रमांक 469, दिनांक 07/08/2026, जिसे विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया था और सरकारी वेबसाइट पर अपलोड किया गया था, उसे तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है।

हालांकि, विभाग ने टेंडर निरस्त करने के पीछे विस्तृत कारण सार्वजनिक नहीं किए हैं और नोटिस में केवल 'कुछ अपरिहार्य कारणों' का उल्लेख किया गया है। ऐसे में अब यह सवाल भी उठ रहा है कि भविष्य में इस बड़े प्रिंटिंग कार्य के लिए नया टेंडर किस प्रक्रिया और किन पात्रता शर्तों के साथ जारी किया जाएगा।

जल संरक्षण में बलौदाबाजार जिले की ऐतिहासिक उपलब्धि, देश के शीर्ष 10 जिलों में बनाया स्थान

- 2 लाख 46 हजार वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण
- जनभागीदारी बना जल संरक्षण का प्रभावी मॉडल

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। वर्षा जल को सहेजने और उसे धरती के भीतर पहुंचाकर भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बलौदाबाजार-भाटापारा ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जल शक्ति मंत्रालय के 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान के तीसरे चरण में जिला ने देश के शीर्ष 10 जिलों में स्थान बनाकर जिले को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए किए जा रहे नवाचारों, सामुदायिक सहभागिता और जनभागीदारी आधारित प्रयासों की जानकारी राष्ट्रीय मंच पर साझा की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन मे जिले में जल संरक्षण को केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रखते हुए इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा 'मोर गांव-मोर पानी अभियान 3.0' के अंतर्गत ग्राम पंचायतों, महिला समूहों, युवाओं, ग्रामीण समुदाय एवं विभिन्न विभागों की सहभागिता से जल संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर क्रियान्वित किया गया है। जिले में 2,46,488 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, लगभग 5,146.30 लाख लीटर जल संचयन क्षमता तथा 10,78,911 लोगों की प्रत्यक्ष भागीदारी दर्ज की गई है। अभियान का विस्तार 736 गांवों, 519 ग्राम पंचायतों और 9 नगरीय क्षेत्रों तक किया गया है। इस अभियान के तीसरे चरण मे जिला बलौदाबाजार - भाटापारा देश मे 8 वे स्थान पर हैं।

चक्रधरपुर मंडल में इंटरलॉकिंग कार्य के चलते कुछ ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के बागडिही स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग एवं बागडिही-झारसुगुड़ा के मध्य चौथी रेल लाइन के कमीशनिंग का कार्य किया जाएगा । इस कार्य के लिए 01 एवं 02 नवम्बर 2026 को प्री-नॉन इंटरलॉकिंग तथा 03 नवम्बर 2026 को नॉन-इंटरलॉकिंग (NI) कार्य किया जाएगा। इसके फलस्वरूप इस दौरान यात्रियों की सुविधा एवं संरक्षित रेल परिचालन को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से सम्बंधित कुछ ट्रेनों को रद्द तथा कुछ ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। विवरण इस प्रकार है -

रद्द रहने वाली ट्रेनें

दिनांक 01 नवम्बर से 03 नवम्बर 2026 तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी एवं टाटानगर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18109/18110 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-टाटानगर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 31 अक्टूबर 2026 को मालदा टाउन से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 13425 मालदा टाउन-सूरत एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 02 नवम्बर 2026 को सूरत से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 13426 सूरत-मालदा टाउन एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 02 नवम्बर 2026 को तिरुपति से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 17433 तिरुपति-रक्सौल एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 05 नवम्बर 2026 को रक्सौल से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 17434 रक्सौल-तिरुपति एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें

दिनाँक 02 नवम्बर 2026 को पुरी से चलने वली गाड़ी संख्या 18477 पुरी-योग नगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया कटक-सम्बलपुर सिटी-झारसुगुड़ा रोड-ईब के रास्ते योग नगरी ऋषिकेश जाएगी।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरुआत

- सरगवां में वृक्षारोपण के साथ बाउंड्रीवाल एवं ओपन जिम का लोकार्पण भी किया गया।

अम्बिकापुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान एक पेड़ माँ के नाम को आगे बढ़ाते हुए प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और मातृशक्ति के सम्मान के उद्देश्य से श्री राजेश अग्रवाल माननीय मंत्री पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के मुख्य आतिथ्य में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरुआत अम्बिकापुर से की गई है। इस अभियान के अंतर्गत सरगवां स्थित अटल विहार योजना में वृक्षारोपण एवं विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

माननीय मंत्री,पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग श्री राजेश अग्रवाल जी ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी मातृशक्ति के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी व्यक्त करने का एक भावनात्मक एवं जनसरोकार से जुड़ा संकल्प है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर शुरू किए गए इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक स्वरूप देना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाए और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करे, यही इस अभियान की वास्तविक सफलता होगी। उन्होंने कहा कि एक पेड़ अभियान के तहत पूरे प्रदेश में सवा सात करोड़ पौधे लगाए जा चुके है द्य उन्होंने कहा कि कॉलोनी में बाउंड्री वाल की लगातार मांग की जा रही थी द्य मंडल अध्यक्ष के पहल से आज बाउंड्री वाल का निर्माण कर लोकार्पण किया जा रहा है द्य उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत वृक्षा रोपण किया गया था व कॉलोनिवासियीं के संरक्षण से ये वृक्ष का रूप ले लिए है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने की प्रदेश अध्यक्ष किरण देव से सौजन्य भेंट

- जाना स्वास्थ्य का हाल

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन गुरुवार को नई दिल्ली स्थित 'छत्तीसगढ़ निवास' पहुँचकर छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव से सौजन्य भेंट की। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। छत्तीसगढ़ निवास में आयोजित इस आत्मीय मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नवीन ने प्रदेश अध्यक्ष के उपचार और वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने चिकित्सकों द्वारा दिए गए परामर्श की जानकारी ली और उनके बेहतर स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं। प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा कुशलक्षेम पूछे जाने और आत्मीय सम्बल प्रदान करने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रतिनिधि व पारिवारिक सदस्य भी उपस्थित रहे।

अदाणी फाउंडेशन की विजन केयर पहल से 41 गांवों के चार हजार ग्रामीण लाभान्वित

- 1,795 महिलाओं समेत चार हजार ग्रामीणों की निःशुल्क नेत्र जांच, 1,939 लोगों को मिला चश्मा

रायगढ़ (विश्व परिवार)। अदाणी पावर लिमिटेड, छोटे भंडार की सामाजिक विकास इकाई अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित विज़न केयर कार्यक्रम के तहत प्लांट के परिधीय क्षेत्रों एवं रेलवे कॉरिडोर से जुड़े 41 गांवों में निःशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया गया। 'स्पष्ट दृष्टि, बेहतर भविष्य' विषय पर आयोजित इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और विशेष रूप से महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को समय पर जांच एवं परामर्श उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम का संचालन 15 जुलाई से 27 अगस्त 2026 तक विज़न केयर संस्था के माध्यम से किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, रायगढ़ से पूर्व अनुमति प्राप्त कर आयोजित इस अभियान की शुरुआत ग्राम बरपाली से हुई, जिसके बाद बड़े भंडार, छोटे भंडार, सरवानी, बुनगा, टपरदा, सूपा, कोटमरा, जतरी, काशीचुवा, कलमा, चंदली, रैबार, चिखली, उच्चभित्ति, उसरौत, गोर्रा सहित 41 गांवों में चरणबद्ध रूप से नेत्र जांच शिविर लगाए गए।

इस दौरान चार हजार ग्रामीणों की नेत्र जांच की गई, जिनमें 2,205 पुरुष और 1,795 महिलाएं शामिल हैं। सभी लाभार्थी वयस्क एवं वरिष्ठ नागरिक वर्ग से थे। जांच के बाद 1,939 लोगों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया। जुलाई और अगस्त 2026 के दौरान 695 चश्मों की बुकिंग की गई थी, जिनमें से 500 चश्मों का वितरण किया जा चुका है, जबकि शेष 195 चश्मों का वितरण इस माह के अंत तक पूरा किया जाएगा।

जांच के दौरान 985 लोगों में मोतियाबिंद, रिफ्रैक्टिव एरर तथा अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं की पहचान की गई, जिन्हें विस्तृत जांच एवं उपचार के लिए शासकीय जिला चिकित्सालय रायगढ़ अथवा मेडिकल कॉलेज रायगढ़ रेफर किया गया है।

शिक्षा मंत्री यादव की मांग पर जन्माष्टमी के दिन पूरे छत्तीसगढ़ में शुष्क दिवस

- मांस बिक्री पर भी रहेगा प्रतिबंध

रायपुर (विश्व परिवार)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर 4 सितंबर को पूरे छत्तीसगढ़ में शुष्क दिवस घोषित करने तथा नगरीय निकाय क्षेत्रों में पशुवध गृह एवं मांस बिक्री की दुकानों को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय प्रदेश की सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था और जनभावनाओं के सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

यह निर्णय स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव की मांग पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा लिया गया है। मंत्री श्री यादव ने जन्माष्टमी के पावन पर्व की गरिमा और प्रदेशवासियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री जी से 4 सितंबर को शुष्क दिवस घोषित करने तथा नगरीय निकाय

क्षेत्रों में पशुवध गृह एवं मांस बिक्री की दुकानें बंद रखने का आग्रह किया था।

यादव समाज में भी इस निर्णय को लेकर विशेष प्रसन्नता और उत्साह है। भगवान श्रीकृष्ण को आराध्य मानने वाले यादव समाज की भावनाओं के अनुरूप जन्माष्टमी के पावन अवसर पर लिया गया यह निर्णय समाज के लिए भी सम्मान और गौरव का विषय है। शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव स्वयं यादव समाज से आते हैं और उन्होंने समाज सहित प्रदेश की व्यापक जनभावनाओं को मुख्यमंत्री जी के समक्ष प्रमुखता से रखा।

जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ओड़गी में विकास कार्यों की समीक्षा की

- अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिला के ओड़गी के जनपद पंचायत सभाकक्ष में आयोजित विकासखंड स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक में शामिल होकर क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागवार योजनाओं और कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर योजनाओं एवं विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा आमजन से जुड़ी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और विकास कार्यों का वास्तविक लाभ आमजन को मिले, इसके लिए अधिकारी पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

समीक्षा बैठक में क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति, हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विभागीय योजनाओं की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को लंबित कार्यों में गति लाने और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

HP Navya Composite LPG Cylinder रायपुर में शुभारंभ

- शांति एचपी गैस एजेंसी न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर में भव्य शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। आज हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें खुशी है कि HP Navya Composite LPG Cylinder को आज शांति एचपी गैस एजेंसी का न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर में लॉन्च किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री प्रशांत पराते जी, DGM – Lube RO हैं। इस अवसर पर हमारे साथ श्री P.N.L. मोहन जी, CRM – Direct Sale RO, श्री मंगेश एम. डोंगरे जी, CRM – LPG RO, श्री नितिन जैन जी, Senior Manager – LPG Sales,

HPCL के LPG वितरकगण तथा आज के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान नए LPG कनेक्शन प्राप्त करने वाले हमारे ग्राहक उपस्थित हैं।

HP Navya क्या है?

HP Navya एक आधुनिक Composite LPG Cylinder है, जिसे आज के ग्राहकों की बदलती जरूरतों और बेहतर customer experience को ध्यान में रखते हुए पेश किया गया है। पारंपरिक स्टील सिलेंडर की तुलना में Composite Cylinder काफी हल्का होता है, जिससे इसे उठाना और संभालना आसान होता है। इसका आधुनिक और आकर्षक डिज़ाइन आज के मॉडर्न किचन के अनुरूप है। HP Navya की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें LPG का स्तर बाहर से देखा जा सकता है, जिससे ग्राहक आसानी से अंदाजा लगा सकते हैं कि सिलेंडर में कितनी गैस उपलब्ध है।

रायपुर में लॉन्च का महत्व

रायपुर आज तेजी से विकसित हो रहा शहर है। यहाँ के ग्राहकों की जरूरतें और जीवनशैली भी लगातार बदल रही हैं। HPCL का प्रयास है कि ग्राहकों को केवल ऊर्जा उपलब्ध कराने तक सीमित न रहते हुए उन्हें बेहतर, आधुनिक और सुविधाजनक LPG अनुभव प्रदान किया जाए।

इसी सोच के साथ HP Navya को रायपुर के ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। आज के कार्यक्रम की विशेष बात यह है कि इस अवसर पर नए ग्राहकों को HP Navya Composite Cylinder के साथ LPG कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं। यह हमारे लिए विशेष खुशी का विषय है कि इस नई पहल की शुरुआत नए ग्राहकों के साथ हो रही है।

HPCL का संदेश

HPCL हमेशा से अपने ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप अपने उत्पादों और सेवाओं में innovation लाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। HP Navya इसी दिशा में एक नया कदम है- नई सोच, आधुनिक तकनीक और HP Gas का भरोसा।

हमारा विश्वास है कि रायपुर और छत्तीसगढ़ के ग्राहक HP Navya को पसंद करेंगे और इसे अपने घरों के लिए एक आधुनिक एवं सुविधाजनक LPG विकल्प के रूप में अपनाएंगे।

मैं इस अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि श्री प्रशांत पराते जी, सभी उपस्थित अधिकारियों, HPCL LPG वितरकों, मीडिया के साथियों और विशेष रूप से हमारे नए ग्राहकों का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से इस महत्वपूर्ण अवसर को और विशेष बनाया।

25 वर्ष का अनुभव RIFCO TAX CONSULTANTS Since 1998
GST
ITR
फाइल बनवाएं मात्र 500/-
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
- Income Tax फाइल - GST रजिस्ट्रेशन - TDS Return
- CMA Data - MSME Registration - Balance Sheet
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट-GST Return - फूड लाइसेंस

संपर्क : शेखर गुप्ता Whatsaap पर बनवाएं
WWW.ONLYTDS.COM
9300755544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

संपादकीय

बुनियादी सुविधाओं की कमी

रिपोर्ट इस सोच चुनौती देती है कि स्टेशनों का आधुनिकीकरण बुनियादी यात्री सेवाओं की गारंटी कर देता है। जहां स्टेशनों को फिर से बनाया गया, उनमें से भी कई जगहों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी है। रेलवे स्टेशनों की दुर्दशा वैसे तो किसी से छिपी नहीं है, लेकिन अब उनकी बदहाली की विस्तृत तस्वीर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने भी सामने रखी है। गैर-उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं एवं स्वच्छता के हाल पर केंद्रित यह रिपोर्ट सभी 16 रेलवे जोनों के 512 ऐसे स्टेशनों के ऑडिट पर आधारित है। सीएजी ने स्टेशनों का चयन यात्रियों की आवाजाही और वहां से होने वाली कमाई को ध्यान में रखते हुए किया। उसने रेलवे डेटा, यात्री शिकायतों, यात्री प्रतिक्रियाओं, और रेलवे अधिकारियों के साथ मिल कर किए गए निरीक्षणों के आधार पर निष्कर्ष निकाले। निष्कर्ष है कि 89 प्रतिशत से अधिक स्टेशनों पर एक या अधिक न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की कमी है। और समस्या केवल छोटे स्टेशनों पर ही नहीं, बल्कि बड़े, उच्च-राजस्व और अधिक यात्री आवाजाही वाले स्टेशनों पर भी उसी तरह मौजूद है। समस्या है: सुविधाओं का ना होना और जो सुविधाएं मौजूद हैं, उनकी नाकाफी क्षमता तथा उनका रखरखाव ठीक ना होना। रिपोर्ट के मुताबिक 188 स्टेशनों पर पेय जल के पर्याप्त नल उपलब्ध नहीं थे, जो रेल मंत्रालय के इस दावे का खंडन करता है कि ऐसी सुविधाएं प्रदान कर दी गई हैं। रिपोर्ट इस सोच चुनौती देती है कि स्टेशनों का आधुनिकीकरण खुद ही बुनियादी यात्री सेवाओं की गारंटी कर देता है। यहां तक कि जहां स्टेशनों को फिर से बनाया गया है और जिन्हें बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर वाले स्टेशन समझा जाता है, उनमें से भी कई जगहों पर यात्रियों को पानी, पंखे, बैठने की जगह, शौचालय, और स्वच्छता की कमी आदि का सामना करना पड़ रहा है। सार है कि भारतीय रेलवे के पास मानदंड, फंड और निगरानी के ढांचे तो मौजूद हैं, लेकिन उनके जरिए अमल असमान बना हुआ है। कारण जवाबदेही के सिस्टम का अभाव है। इस कारण सुविधाओं को मानदंडों के अनुसार प्रदान नहीं किया जाता, कार्यों के पूरा होने में देर होती है, मौजूद सुविधाओं का रखरखाव नहीं किया जाता, और कमियों को समयबद्ध कार्य योजनाओं के जरिए दूर नहीं किया जाता है। और इन सबको लेते हुए ही भारत विकसित होने की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है!

महंगाई नियंत्रण की कारगर रणनीति जरूरी

डा. जयंती लाल भंडारी

प्याज, टमाटर और आलू की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए नाफेड जैसे सरकारी संगठनों के माध्यम से उपभोक्ताओं को रियायती दरों पर सीधी बिक्री बढ़ाई जानी होगी। आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी रोकने के लिए व्यापारियों के स्टॉक सीमाओं की सख्त निगरानी आवश्यक होगी इन दिनों महंगाई पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भारत में महंगाई बढने से आम आदमी के जीवन की मुश्किलें बढने संबंधी चिंताएं प्रस्तुत की जा रही हैं। हाल ही में 27 अगस्त को क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एस एंड पी ग्लोबल ने मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण ऊंची ऊर्जा कीमतों और अल नीनो से प्रभावित कमजोर मानसून की चुनौतियों की वजह से चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत में खुदरा महंगाई (सीपीआई) के बढक़र 5.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान जताया है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति सहित प्रमुख आर्थिक एजेंसियों ने भारत में खुदरा महंगाई बढने की चेतावनी दी है। एचडीएफसी बैंक ने सितंबर से खुदरा महंगाई दर लगातार 5 प्रतिशत से ऊपर रहने का अनुमान लगाया है। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स व जेपी मॉर्गन ने खाद्य और कच्चे तेल की बढ़ती लागत के कारण महंगाई में और वृद्धि की चिंता जाहिर की है। एसबीआई इकोव्रैप रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जो खुदरा महंगाई अगस्त में 4.7 प्रतिशत अनुमानित है, वह अक्टूबर-नवंबर में 6 प्रतिशत के पार पहुंच सकती है। ऐसे में सरकार के द्वारा महंगाई नियंत्रण के और अधिक कारगर रणनीतिक कदम जरूरी दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2026 में भारतीय बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है। मौसम की अनिश्चितता और फसल प्रभावित होने से चीनी के खुदरा भाव ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। सीमित आपूर्ति के कारण प्याज के दाम पिछले साल की तुलना में तेजी से बढ़े हैं। इसके अलावा सरसों तेल, रिफाइंड तेल और दालों के दाम भी ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं। त्योहारों के मौसम में मांग बढने, चारे की लागत और परिवहन खर्च में वृद्धि के कारण दूध, मिठाइयों, पैकबंद खाद्य पदार्थों और पैक्ड चाय की कीमतों में और बढ़ोतरी होने की आशंका जताई जा रही है। यह परिदृश्य स्पष्ट संकेत देता है कि कमजोर मानसून और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें आने वाले महीनों में आम नागरिक के बजट पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में जुलाई महीने में खुदरा महंगाई दर बढक़र 4.45 प्रतिशत हो गई है, जो जून में 4.38 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के तय लक्ष्य से ऊपर बना हुआ है। महंगाई में इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें हैं। निश्चित रूप से खाद्य वस्तुओं की बढ़ती महंगाई के कारण आम आदमी की थाली महंगी हो गई है। जीवन निर्वाह लागत बढ़ गई है। क्रिसिल की अगस्त 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2026 में घर पर बनने वाली शाकाहारी थाली की औसत लागत सालाना आधार पर 4 प्रतिशत बढक़र 29.1 रुपए हो गई। यह पिछले 7 महीनों का उच्चतम स्तर है। वहीं, मांसाहारी थाली की कीमत 9 प्रतिशत बढक़र 58.3 रुपए पर पहुंच गई। थाली महंगी होने का मुख्य कारण प्याज, खाद्य तेल और रसोई गैस की दरों में वृद्धि है। इस परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और कमजोर मानसून की चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। जहां खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में कुछ वृद्धि के संकेत हैं, वहीं अन्य क्षेत्रों में महंगाई बढने के संकेत नहीं हैं। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि आने वाले दिनों में मानसून, अल नीनो और पश्चिम एशिया के संघर्ष की वजह से खाने-पीने की वस्तुएं और ईंधन महंगे हो सकते हैं। नि:संदेह अब ऊंची ऊर्जा लागत, अल नीनो और कमजोर मानसून के कारण महंगाई की चिंता बढ़ती जा रही है। इससे कृषि पर मंडराता खतरा भी दिखाई दे रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक जून-सितंबर के बीच देश में सामान्य वर्षा के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत की कमी अनुमानित की गई है। इस स्थिति के पीछे अल-नीनो प्रभाव को मुख्य कारण माना जा रहा है, जिसने मानसून की गति को धीमा कर दिया है। शुरुआत में कम बारिश और मिट्टी में नमी की कमी के कारण इस वर्ष खरीफ फसलों की बुआई का कुल रकबा प्रभावित हुआ है। विशेष रूप से धान, सोयाबीन और दलहन जैसी फसलों का बुआई क्षेत्र पिछले साल की तुलना में सिकुड़ गया है। जिन क्षेत्रों में सिंचाई के पर्याप्त साधन नहीं हैं, वहां फसलों के सूखने का जोखिम काफी बढ़ गया है। बारिश की लगातार कमी से मिट्टी में नमी का स्तर घट रहा है। इससे न केवल कुल खाद्यान्न उत्पादन घट सकता है, बल्कि किसानों की आय प्रभावित होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल दबाव पड़ सकता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा जुलाई की शुरुआत से लेकर अब तक महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीतिक कदम उठाए गए हैं। हाल ही में खाद्य और ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण खुदरा मुद्रास्फीति में तेजी के कारण आर्थिक दबाव से आम जनता को राहत देने और बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक ने व्यावहारिक रणनीतियां अपनाई हैं। खाद्य पदार्थों और ईंधन के दामों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक वस्तुओं के राष्ट्रीय बफर स्टॉक का उपयोग किया जा रहा है। बाजार में शक्कर, प्याज और अन्य कृषि उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाकर कीमतों को थामने का सीधा प्रयास किया जा रहा है। कांदा एक्सप्रेस की उपयोगिता दिखाई दे रही है। वित्तीय बाजार में नकदी के संतुलन को बनाए रखने और अत्यधिक मांग से मूल्य वृद्धि रोकने के लिए केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक समीक्षा के तहत नकदी प्रवाह पर सख्त नियंत्रण रखा है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और फसलों की बुआई की लगातार समीक्षा की जा रही है, ताकि आने वाले समय में खाद्यान्न की कमी न हो और कीमतों में उछाल को रोका जा सके। वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों से ईंधन और आयातित वस्तुओं पर पडने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए व्यापारिक रणनीतियों में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। संभावित मुद्रास्फीति के दबाव को देखते हुए आवश्यक उपभोग योग्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का खाका तैयार किया गया है। इन सब के साथ-साथ सरकार आगामी महीनों में अल नीनो तथा कमजोर मानसून की चुनौतियों से निपटने के लिए भी सावधानी और सतर्कतापूर्वक आगे बढ़ रही है। उम्मीद करें कि सरकार महंगाई नियंत्रण के लिए और अधिक नए रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ेगी। सरकारी गोदामों से गेहूं, चावल और दालों को उपयुक्त रूप से खुले बाजार में जारी किया जाना होगा, ताकि आगामी त्योहारी सीजन में आपूर्ति बनी रहे। प्याज, टमाटर और आलू की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए नाफेड जैसे सरकारी संगठनों के माध्यम से उपभोक्ताओं को रियायती दरों पर सीधी बिक्री बढ़ाई जानी होगी। आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी रोकने के लिए व्यापारियों के स्टॉक सीमाओं की सख्त निगरानी आवश्यक होगी। खाद्य तेलों और दालों की उपलब्धता सुधारने हेतु आयात शुल्क में अस्थायी कटौती की जानी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा मौद्रिक नीति को ज्यादा असरदार बनाते हुए बाजार से तरलता सोखने हेतु उपयुक्त रूप से ब्याज दर बढ़ाई जानी होगी। महंगाई में पिस रहे गरीब लोगों को राहत देनी होगी।

आलेख

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हर किसान के लिए किफायती फसल बीमा

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) पूरे देश में सूखे, बाढ़, चक्रवात, ओलावृष्टि, कीटों, बीमारियों, बुआई न हो पाने, स्थानीय आपदाओं, जलभराव से होने वाले नुकसान, बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और फसल कटाई के बाद होने वाले खास नुकसानों के खिलाफ व्यापक कवरेज देती है। 2026-27 के लिए 12,200 करोड़ के आवंटन के साथ, पीएमएफबीवाई किसानों की मुश्किलों से निपटने की क्षमता को मजबूत बनाने, उनकी आजीविका की रक्षा करने, आय को स्थिर करने और जलवायु-अनुकूल खेती को बढ़ावा देने का काम जारी रखे हुए है। पिछले 10 वर्षों में, खरीफ 2016 में योजना की शुरुआत से लेकर रबी 2025-26 तक, 92.46 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों का बीमा किया गया है और 26.33 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों के लिए ?2.06 लाख करोड़ से ज्यादा के दावों का भुगतान किया गया है। तकनीक पर आधारित पहलों, जैसे कि प्रौद्योगिकी आधारित उपज आकलन प्रणाली (वाईईएस-टेक) और वेदर इंफॉर्मेशन नेटवर्क एंड डेटा सिस्टम (डब्ल्यूआईएनडीएस) को शामिल करने से दावों का निपटारा तेज, निष्पक्ष और अधिक पारदर्शी हो गया है, जिससे यह योजना और भी मजबूत हुई है। फसल बीमा किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, खराब मौसम, कीटों और बीमारियों से होने वाले फसल के नुकसान से बचाता है। समय पर मिलने वाला मुआवजा किसानों को आय में अचानक आई कमी से निपटने, नुकसान की भरपाई करने, कर्ज चुकाने और अगली फसल के मौसम में निवेश करने में मदद करता है। यह खेती की क्षमता को मजबूत करता है, आजीविका की रक्षा करता है और अनिश्चित स्थितियों में भी कृषि उत्पादन को जारी रखने में मदद करता है। 18 फरवरी 2016 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) शुरू की गई थी ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाया जा सके। इसमें बुवाई से पहले के जोखिम (जैसे बुवाई न हो पाना या बुवाई का विफल होना), मौसम के बीच में बड़े पैमाने पर खराब हालात, ओलावृष्टि, बाढ़, भूस्खलन जैसी स्थानीय आपदाएं (अलग-अलग खेतों के स्तर पर), और फसल कटाई के बाद चक्रवात, बेमौसम बारिश और अन्य तय खतरों से होने वाले नुकसान शामिल हैं। ज्यादा से ज्यादा किसानों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रीमियम की दरें कम और किफायती रखी गई हैं। सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में पीएमएफबीवाई के लिए ?12,200 करोड़ आवंटित किए हैं, जो फसल बीमा और किसानों को सुरक्षा देने के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। असम के नागांव जिले के चनखला गांव के रहने वाले छोटे किसान अनवर हुसैन अपने परिवार की आजीविका के लिए पूरी तरह खेती पर निर्भर हैं। जब भारी बारिश से उनकी फसल को भारी नुकसान पहुंचा, तो उन्हें अपने कर्ज चुकाने और अगली बुआई के लिए पैसे जुटाने को लेकर चिंता सताने लगी। अच्छी बात यह थी कि अनवर ने सिर्फ ?100 का मामूली प्रीमियम देकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) में अपना पंजीकरण कराया हुआ था। फसल के नुकसान का आकलन होने के बाद, उन्हें इस योजना के तहत ?50,600 का मुआवज़ा मिला। समय पर मिली इस आर्थिक मदद से उन्हें नुकसान से उबरने, अपना कुछ कर्ज़ चुकाने और अगले सीज़न के लिए खेती का जरूरी सामान खरीदने में मदद मिली। इस मदद की वजह से, आर्थिक तंगी में फंसने के बजाय अनवर नए आत्मविश्वास के साथ खेती जारी रख पाए। आज, वह अपने गांव के दूसरे किसानों को भी अपनी फसल का बीमा कराने के लिए जोरदार तरीके से प्रोत्साहित करते हैं और कहते हैं कि पीएमएफबीवाई मुश्किल समय में एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। पीएमएफबीवाई फसल के नुकसान के खिलाफ आर्थिक सुरक्षा देता है और किसानों की आय को स्थिर करने में मदद करता है। यह आधुनिक खेती के तरीकों, फसल विविधीकरण और उत्पादन से जुड़े जोखिमों का सामना करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है। पीएमएफबीवाई तय पात्रता शर्तों के आधार पर किसानों (जिसमें किराए पर खेती करने वाले और बटाईदार किसान भी शामिल हैं) को व्यापक फसल बीमा कवरेज देता है। किसानों के पास बीमा योग्य हित, जमीन के वैध दस्तावेज़ या पट्टे के समझौते या राज्य-विशेष की पहले से तय जरूरतों के अनुसार बुवाई के प्रमाण-पत्र होने चाहिए और उन्हें तय समय-सीमा के भीतर आवेदन करना होगा।

देश की बाकी आबादी को भी सोचने मजबूर किया

अजीत द्विवेदी

चुनावी राजनीति का विमर्श बदल रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी भले राजनीतिक दल नहीं बनी है और बने तो हो सकता है कि कामयाब नहीं हो पाए। लेकिन उसने देश के राजनीतिक विमर्श को बदल दिया है। जंतर मंतर पर सीजेपी के आंदोलन ने एक नए विमर्श को जन्म दिया है, जिसमें एजुकेशन, एम्प्लायमेंट और एनर्जी यानी 'ट्रिपल ई' केंद्र में हैं। इससे पहले राजनीति का विमर्श जाति, धर्म और क्षेत्रवाद के इर्द गिर्द घूमता था। उसमें भ्रष्टाचार और विकास का मुद्दा भी जरुरत के हिसाब से शामिल होता था। लेकिन मुख्य रूप से सामाजिक समीकरण, धार्मिक ध्रुवीकरण और क्षेत्रीय भावनाओं या उप राष्ट्रीयता की भावना के इर्द गिर्द चुनाव का ताना बाना बुना जाता था। इसी आधार पर मुद्दे तय किए जाते थे, उम्मीदवारों का चयन होता था और नेताओं के भाषण होते थे। अब इसमें बदलाव आ रहा है। विमर्श के नए मुद्दे आ रहे हैं और नेताओं के भाषण बदल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपवाद हैं, जिनका भाषण अब भी बाबर, औरंगजेब, सालार गाजी या व्यापक रूप से मुस्लिम विरोध के इर्द गिर्द होता है। बहरहाल, देश के बदलते राजनीतिक विमर्श को दो हिस्सों में बांट कर देखने की जरुरत है। पहला हिस्सा तो वह है, जो जंतर मंतर पर आंदोलन के दौरान युवाओं के आक्रोश में अभिव्यक्त हुआ। युवा जिस अंदाज में अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे और बिना किसी शर्मिंदगी के प्रधानमंत्री तक को निशाना बना रहे थे वह एक पहलू है। उससे नेताओं और पार्टियों को लगा और यह सही भी है कि एक नई पीढ़ी अपनी खास पहचान के साथ राजनीतिक क्षितिज पर उभरी है। उसने जाति, धर्म, क्षेत्र और यहां तक कि लिंग की पहचान छोड़ दी है। उसे 'जेन जी' की पहचान दी गई और उसे एड्रेस करने की कोशिश शुरू हुई। मुश्किल यह है कि ज्यादातर नेता उनके आचार, व्यवहार, भाषा और सरोकार को नहीं समझते हैं। इसलिए उन्होंने 'जेन जी' को समझने का अपना एक स्टीरियोटाइप विकसित किया और उन्हें उसी से देखना शुरू किया। अगर नेता अपने परिवार में देखते और अपने बच्चों के व्यवहार से 'जेन जी' को समझने का प्रयास करते तो उनको पता चलता कि वे 'जेन जी' को लुभाने के लिए वे जो कर रहे हैं वह कितना पैथेटिक और ऑफ द मार्क है। 'जेन जी' को लुभाने के लिए नेता जो प्रयास कर रहे हैं उससे वे एक पूरी पीढ़ी को शर्मिंदा कर रहे हैं और खुद एक मूर्ख के रूप में उनके सामने प्रस्तुत हो रहे हैं। इसलिए उनको यह प्रयास बंद करना चाहिए और इस पीढ़ी की ओर से उठाए जा रहे मुद्दे या उनके सरोकारों को समझना चाहिए। यही बदलते राजनीतिक विमर्श का दूसरा पहलू है। वह मुद्दों और सरोकारों से जुड़ा है। वह सरोकार 'ट्रिपल ई' का है। तभी एजुकेशन, एम्प्लायमेंट और एनर्जी पर युवाओं व देश के लोगों के सरोकारों को समझने की जरुरत है। दिल्ली से लेकर झारखंड और उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र व बिहार तक ये ही मुद्दे अभी विमर्श का मुख्य विषय हैं। इसमें 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' दोनों शामिल हैं। उनको अच्छी शिक्षा चाहिए, जिसके लिए वे दबाव डाल रहे हैं। इससे पहले बच्चों ने यानी छात्रों ने यह मुद्दा हाथ में नहीं लिया था। शिक्षा को वे अभिभावकों और शिक्षकों पर छोड़े हुए थे। स्कूल में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, शिक्षक की कमी है, समय पर शिक्षक नहीं आते हैं, स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ाई का कैलेंडर फॉलो नहीं किया जाता है, समय पर परीक्षा नहीं होती है, परीक्षा होती है तो उसमें गड़बड़ी हो जाती है, इन तमाम मुद्दों पर छात्र आंदोलित नहीं होते थे। ले किन अब तस्वीर बदल गई है। अब स्कूली बच्चे भी ये मुद्दे उठा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि वे अपने अभिभावकों के सामने नहीं, बल्कि सड़क पर उतर कर ये मुद्दे उठा रहे हैं। मजबूरी में नेताओं और राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर बात करनी पड़ रही है। अभी तो सिर्फ बात हो रही है और आश्वासन दिए जा रहे हैं। लेकिन आने वाले दिनों में आश्वासनों को पूरा भी करना होगा। दूसरा सरोकार एम्प्लायमेंट यानी नौकरी और रोजगार का है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेहतर जीवन स्तर के लिए या कमजोर आर्थिक तबके के लोगों के सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था में ऊपर आने के लिए सम्मानजक नौकरी से बेहतर कोई और तरीका नहीं है। परंतु पिछले कुछ समय से अलग अलग कारणों से नौकरी और रोजगार दोनों में लगातार कमी होती जा रही है। इसका नतीजा नीति आयोग की रिपोर्ट में दिखाई दिया, जिसमें कहा गया है कि 15 से 29 साल की उम्र के 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई नौकरी कर रहे हैं। यानी कुछ भी नहीं कर रहे हैं। इन 8.7 करोड़ युवाओं के अलावा इसी उम्र वर्ग के इससे कम से कम दोगुने युवा पढ़ाई कर रहे हैं और नौकरी व रोजगार हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। वे भी अब तक नौकरी आने का इंतजार करते थे और पेपर लीक या परीक्षा में गड़बड़ी या परीक्षा में धांधली या परीक्षा रद्द होने को नियति मान कर चुप बैठे रहते थे। लेकिन अब उनकी चुप्पी टूटी है। जंतर मंतर के प्रदर्शन ने उनको रास्ता दिखाया है। वे नौकरी के हर विज्ञापन को बारीकी से देख रहे हैं। उसकी कमियां सामने ला रहे हैं। सरकारों पर दबाव बना रहे हैं कि वह नौकरी या दाखिले के लिए होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करें और उसका पूरी तरह से पालन करें। वैकेंसी बढ़ाने से लेकर परीक्षा कराने के तरीके पर छात्र सरकारों से बात कर रहे हैं। एक आंकड़े के मुताबिक पिछले एक दशक में केंद्र सरकार में खाली पदों की संख्या सवा चार लाख से दोगुनी होकर साढ़े आठ लाख हो गई है। ऐसी ही स्थिति राज्य सरकारों की भी है। युवा अब इसको मुद्दा बना रहे हैं। तीसरा सरोकार एनर्जी का है। शिक्षा और नौकरी तो आपस में जुड़े हुए हैं लेकिन एनर्जी उससे बिल्कुल अलग है। लेकिन यह भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा इसलिए बना है क्योंकि हाल की कई घटनाओं ने ऊर्जा सुरक्षा के मामले में भारत की कमजोरियों को जाहिर किया है। ईरान और अमेरिका की जंग ने आपूर्ति के संकट को उजागर किया तो इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को होने वाले नुकसान की जानकारी भी लोगों को मिली और इथेनॉल मिश्रण से खाद्यान्न संकट का जो दौर आएगा, उसकी भी एक झलक लोगों को मिली।

कृत्रिम बुद्धिमता-भारत की भूमिका

शौर्य वीर सिंह पठानिया

शिक्षा नीति 2020, इंडिया एआई मिशन तथा विभिन्न अनुसंधान पहलों ने अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग की नई संभावनाएं उत्पन्न की हैं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास पिछले एक दशक में अभूतपूर्व गति से हुआ है। जिस तकनीक को कभी केवल कंप्यूटर विज्ञान की प्रयोगशालाओं तक सीमित माना जाता था, वह आज चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त, न्याय व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा सार्वजनिक प्रशासन जैसे विविध क्षेत्रों में निर्णय-निर्माण का आधार बन रही है। जेनरेटिव एआई और बड़े भाषा मॉडल के आगमन ने इस परिवर्तन को और तीव्र कर दिया है। अब एआई केवल डेटा का विश्लेषण करने वाली प्रणाली नहीं रही, यह ज्ञान निर्माण, नवाचार, रचनात्मकता और वैज्ञानिक अनुसंधान की सक्रिय सहभागी बन चुकी है। फिर भी, एआई अनुसंधान एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां केवल अधिक शक्तिशाली एल्गोरिद्म विकसित करना पर्याप्त नहीं है। आज सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितना स्मार्ट है, बल्कि यह है कि एआई कितना विश्वसनीय, उत्तरदायी, पारदर्शी, सुरक्षित और मानव-केंद्रित है। यही वे आयाम हैं जो आने वाले दशक में वैश्विक एआई अनुसंधान की दिशा निर्धारित करेंगे। एल्गोरिद्मिक उत्कृष्टता से विश्वास-आधारित एआई की ओर एआई अनुसंधान के प्रारम्भिक वर्षों में सफलता का प्रमुख मानदंड मॉडल की सटीकता था। प्रतिस्पर्धा इस बात की थी कि कौनसा मॉडल अधिक सही भविष्यवाणी कर सकता है। किन्तु वास्तविक जीवन की जटिल परिस्थितियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल उच्च सटीकता किसी एआई प्रणाली को उपयोगी या स्वीकार्य नहीं बनाती। यदि कोई मॉडल अपने निर्णय का कारण स्पष्ट नहीं कर सकता, पक्षपातपूर्ण परिणाम देता है या संवेदनशील डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाता, तो उसकी व्यावहारिक उपयोगिता सीमित रह जाती है। इसी कारण आधुनिक एआई अनुसंधान अब तकनीकी प्रदर्शन से आगे बढक़र सामाजिक स्वीकार्यता, नैतिक उत्तरदायित्व और सार्वजनिक विश्वास को केंद्र में रख रहा है। भविष्य का एआई केवल बुद्धिमान नहीं, बल्कि विश्वसनीय भी होना चाहिए। व्याख्यात्मक एआई : निर्णयों को समझने योग्य बनाना डीप लर्निंग आधारित अधिकांश आधुनिक एआई मॉडल ब्लैक बॉक्स की तरह कार्य करते हैं। वे उत्कृष्ट परिणाम तो देते हैं, किन्तु उनके निर्णयों की व्याख्या करना कठिन होता है। यह समस्या विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं, न्यायिक प्रणाली, बैंकिंग, बीमा तथा सार्वजनिक नीति जैसे क्षेत्रों में गंभीर है, जहां प्रत्येक निर्णय का स्पष्ट औचित्य अपेक्षित होता है। व्याख्यात्मक एआई इसी चुनौती का समाधान प्रस्तुत करता है। एसएचएपी, लाइम, ग्रैड-कैम तथा काउंटरफैक्चुअल एक्सप्लेनेशन्स जैसी तकनीकों पर वर्तमान में व्यापक अनुसंधान हो रहा है ताकि एआई अपने निर्णयों के पीछे के कारणों को मानव विशेषज्ञों के लिए स्पष्ट कर सके। भविष्य में व्याख्यात्मकता किसी अतिरिक्त सुविधा के रूप में नहीं, बल्कि प्रत्येक उच्च-प्रभाव वाले एआई अनुप्रयोग की अनिवार्य विशेषता के रूप में स्थापित होगी। उत्तरदायी और नैतिक एआई : नवाचार के साथ उत्तरदायित्व एआई की बढ़ती क्षमताओं ने अनेक नैतिक प्रश्न भी उत्पन्न किए हैं। एल्गोरिद्मिक पक्षपात, डीपफेक्स, गलत सूचना, बौद्धिक संपदा, गोपनीयता तथा स्वचालित निर्णयों की जवाबदेही जैसी चुनौतियां आज वैश्विक विमर्श के केंद्र में हैं। इसी संदर्भ में उत्तरदायी एआई एक प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। इसका उद्देश्य ऐसी एआई प्रणालियां विकसित करना है जो निष्पक्ष, उत्तरदायी, पारदर्शी और मानव मूल्यों के अनुरूप कार्य करें। एआई गवर्नेंस फ्रेमवर्क, नैतिक एआई दिशानिर्देश तथा नियामक सैंडबॉक्स पर विश्वभर में हो रहा शोध यह संकेत देता है कि भविष्य की प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी क्षमता की नहीं, बल्कि उत्तरदायी नवाचार की भी होगी। गोपनीयता-संरक्षणकारी एआई : डेटा संरक्षण और सहयोग का संतुलन डिजिटल अर्थव्यवस्था में डेटा सबसे महत्वपूर्ण संसाधन बन चुका है, किन्तु व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। एआई मॉडल विकसित करने के लिए विशाल मात्रा में डेटा की आवश्यकता होती है, जबकि गोपनीयता संबंधी चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। फेडरेटेड लर्निंग, डिफरेंशियल प्राइवेसी, होमोमॉर्फिक एन्क्रिप्शन तथा सिक्योर मल्टी-पार्टी कम्प्यूटेशन जैसी तकनीकों पर अनुसंधान इस दिशा में नए समाधान प्रस्तुत कर रहा है। इन तकनीकों की सहायता से विभिन्न संस्थाएं संवेदनशील डेटा साझा किए बिना भी सामूहिक रूप से एआई मॉडल विकसित कर सकती हैं। विशेष रूप से स्वास्थ्य, वित्त और रक्षा जैसे क्षेत्रों में इन तकनीकों का महत्व निरंतर बढ़ेगा। जेनरेटिव एआई और फाउंडेशन मॉडल : ज्ञान निर्माण का नया प्रतिमान जेनरेटिव एआई ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के स्वरूप को मूलभूत रूप से परिवर्तित किया है। बड़े भाषा मॉडल, मल्टीमॉडल एआई तथा एआई एजेंट अब केवल प्रश्नों के उत्तर देने तक सीमित नहीं हैं, वे वैज्ञानिक अनुसंधान, सॉफ्टवेयर विकास, शिक्षा, चिकित्सा परामर्श, सामग्री निर्माण तथा व्यावसायिक निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

अपमान करने वाला कोई नहीं, हमारा विक्षिप्त मन ही हमें दुख देता है : मुनिश्री निर्णय सागर जी

विदिशा (विश्व परिवार)। राग-द्वेष और मोह से मुक्त मन में न अपमान रहता है, न सम्मान की अपेक्षा उपरोक्त उदगार श्री शांतिनाथ जिनालय में विराजमान मुनि श्री निर्णय सागर महाराज ने व्यक्त किये।

राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं अशोक गुड्डू ने बताया कि मुनि श्री सभी श्रद्धालुओं से अपमान-सम्मान की मानसिकता से ऊपर उठकर अपने चित्त को देखने, राग-द्वेष और मोह को पहचानने तथा आत्मचिंतन के माध्यम से समता भाव विकसित करने की प्रेरणा देते हुये कहा कि अपमान और सम्मान की अनुभूति के पीछे छिपे मनोविज्ञान और आध्यात्मिक सत्य को समझाते हुए कहा कि वास्तव में कोई व्यक्ति हमें अपमानित नहीं करता, बल्कि हमारे भीतर का विक्षिप्त मन ही अपमान की अनुभूति कराता है। जब मन में राग, द्वेष और मोह के भाव सक्रिय होते हैं,तब सामने वाले की हर बात बुरी लगने लगती है । वहीं जब मन पवित्र, शांत और समता से भरा होता है तो वही व्यक्ति, वही शब्द और वही परिस्थिति भी अच्छी लगने लगती है।

मुनि श्री ने कहा कि जीवन में अक्सर हम शिकायत करते हैं कि अमुक व्यक्ति ने हमारा सम्मान नहीं किया, हमें देखकर खड़ा नहीं हुआ, हमारी बात को महत्व नहीं दिया या हमारे साथ अपेक्षित व्यवहार नहीं किया। लेकिन कभी स्वयं से यह पूछने का प्रयास नहीं करते कि उस घटना से हमें इतना दुख क्यों हुआ ? इसमें सामने वाले के व्यवहार से ज्यादा हमारे भीतर छिपी सम्मान की अपेक्षा है । मन में राग-द्वेष और मोह है तो छोटी-सी बात भी बड़ी चोट बन जाती है । उन्होंने कहा कि व्यक्ति कई बार अपमान को मन में लेकर वर्षों तक घूमता रहता है- 'इसने मेरा अपमान किया है, समय आने दो, इसे देख लूंगा।' मुनि श्री ने चेताया कि बदला लेने के लिए समय की प्रतीक्षा करने से पहले यह विचार करना चाहिए कि कहीं हमारा अपना समय ही समाप्त न हो जाए । इसलिए जो सुधार आज किया जा सकता है, उसे कल पर नहीं छोड़ना चाहिए।उन्होंने अपमान मिटाने का सरल सूत्र बताते हुए कहा कि 'अपने दुश्मन को देखकर थोड़ा-सा मुस्कराइए।' सामने वाला यदि इस प्रतीक्षा में है कि वह कुछ कहे और हम प्रतिक्रिया दें, तो हमारी मुस्कान उस पूरे क्रम को तोड़ सकती है।जब हम सामने वाले को नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं देते तो उसके भीतर का आक्रोश भी कमजोर पड़ता है। संघर्ष तभी बढ़ता है जब दोनों ओर से प्रतिक्रिया मिलती है।

मुनि श्री ने कहा कि सम्मान की अपेक्षा भी मन को बांधती है।हम चाहते हैं कि लोग हमें पहचानें, हमारा आदर करें और हमारे आने पर विशेष व्यवहार करें। लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से वास्तविक उपलब्धि तब है 'जब सम्मान मिले तो अहंकार न आए और अपमान मिले तो मन विचलित न हो' जिसने दोनों स्थितियों में अपनी समता बनाए रखी, उसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर ली।

उन्होंने भरत और बाहुबली के प्रसंग के माध्यम से बताया कि छोटी-सी बात जब अहंकार और अपमान की भावना से जुड़ जाती है तो बड़ा संघर्ष खड़ा होता है। भरत और बाहुबली दोनों भाई और महान व्यक्तित्व के धनी थे उन दौनो के बीच भी परिस्थितियां युद्ध तक पहुंचीं। इससे यह समझना चाहिए कि बाहरी संघर्ष की जड़ अक्सर भीतर के विकारों में होती है। अंततः बाहुबली ने संसार की असारता को समझकर वैराग्य का मार्ग अपनाया और यह सिद्ध किया कि वास्तविक विजय किसी दूसरे को पराजित करने में नहीं,बल्कि स्वयं के राग-द्वेष पर विजय प्राप्त करने में है।

मुनि श्री ने कहा कि राग-द्वेष केवल सामान्य व्यक्ति के जीवन की समस्या नहीं है। साधु-संत भी आत्मकल्याण के मार्ग पर इन कषायों को क्षीण करने का निरंतर पुरुषार्थ करते हैं। भगवान की पूजा इसलिए की जाती है कि उन्होंने राग-द्वेष को पूर्णतः समाप्त कर वीतराग अवस्था प्राप्त कर ली। साधु की आराधना इसलिए की जाती है कि वह भी दिन-रात इन्हीं विकारों को समाप्त करने के पुरुषार्थ में लगे हुऐ है।

जैन धर्म के इतिहास में 900 वर्ष बाद ज्ञान का अनूठा अनुष्ठान

- प्रतिष्ठा शिरोमणि ग्रंथ कार्यशाला जैन अतिशय क्षेत्र कारीटोरन 3 से 9 सितंबर 2026 तक

घुवारा (विश्व परिवार)। प्रतिष्ठा शिरोमणि ग्रंथ के संग्रहकर्ता, भाग्योदय एस्टो एप के निर्माता, वर्तमान पंचांग के प्रथम गणितकर्ता ज्योति भूषण, बुंदेलखंड में धातु का सहस्त्रकूट जिनालय निर्माणकर्ता, कारीटोरन अतिशय क्षेत्र को विश्व पटल पर स्थान दिलाने वाले, जिन प्रतिष्ठा ग्रंथों सहजता से प्रतिपादन करने वाले, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन आगम मार्गी विदत्समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिष्ठाचार्य पं महेश कुमार जी डीमापुर ने देश भर में 70 से अधिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठायें कराने का अनुभव रहा है। उत्तर एवं दक्षिण भारत सहित भारतवर्ष के त्रयशताधिक विद्वान प्रतिष्टाचार्यो की सन्निधि में। समाज को प्राप्त होगा प्रतिष्ठा का एक ऐसा ग्रंथ जिसमें प्रत्येक क्रिया सप्रमाण लिपि वद् होगी। अतिशय क्षेत्र के प्रांगण में स्थापित होगा विशालकाय शिलालेख जो सदियों कार्यशाला की गाथा संरक्षित रखेगा। 20 हस्तलिखित तांडपत्रिय एवं 21 प्रकाशित पूर्वाचार्यों एवं विद्वान ऑन द्वारा प्रणीत ग्रंथों का गहनता से शोध परक अध्ययन? श्री दि जैन आगम मार्गी विदुत समिति की भावना है कि जो अप्रकाशित प्रतिष्ठा ग्रंथ है उनका हो विधिवत प्रकाशन। कार्यशाला के बाद समाज को प्राप्त होंगे आगम निष्णात एवं मुनि आचार्यों के द्वारा प्रतिष्ठाचार्य दीक्षा के संस्कारों से संस्कारित प्रतिष्ठाचार्य।

कार्यशाला का उद्देश्य - मात्र इतना है कि प्रतिष्ठा विधि में पंथवाद , संघवाद के करण क्रियाओं से न हो मनमानी छेड़खानी। प्रतिष्ठा शिरोमणि ग्रंथ का संकलन कर समाज को आगम सम्मत प्रतिष्ठा विधि प्रदान करने के उद्देश्य से 3 से 9 सितंबर 2026 तक 18 अप्रकाशित पूर्व आचार्यों एवं विद्वानों के द्वारा रचित हस्तलिखित तांड पत्रीय ग्रंथ जो की लगभग पांचवीं शताब्दी से लेकर 13वीं शताब्दी की ग्रंथों के माध्यम से परिमार्जित की जा रही है । इस कार्यशाला के अध्यक्ष के रूप में अष्टापट तीर्थ प्रणेता पं बाल ब्रह्मचारी धर्मचंद जी शास्त्री दिल्ली, कुलपति पं महेंद्र कुमार जी व्याकरणाचार्य प्राचार्य मुरैना, संयोजक प्रज्ञा पथ गामी बाल ब्रह्मचारी अरुण भैया सुधांश। मुख्य सूत्रधार के रूप में मंच मार्तंड बाल ब्रह्मचारी आशीष भैया पुण्यांश। प्रतिष्ठाचार्य अखिलेश जी शास्त्री सुप्रज्ञ रमगढ़ा, सिंघई आयुष मोती बाला जबलपुर।

धनेश्वरी मानिकपुरी को राष्ट्रीय छत्तीसगढ़ गौरव से किया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। शिखर साहित्य अकादमी द्वारा 1 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन वृंदावन सभाकक्ष सिविल लाईन रायपुर में आयोजित। हुआ जिसमें श्रीमती धनेश्वरी (धानी) मानिकपुरी फार्मासिस्ट एवं योगा शिक्षक निवासी गरियाबंद, छत्तीसगढ़ गौरव से सम्मानित किया गया वही धनेश्वरी मानिकपुरी को लोकगीत, संगीत, लोकनृत्य,लोकसाहित्य,

छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति को संरक्षित संवर्धित करने में योगदान रहा है। जिसे छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया वही धनेश्वरी मानिकपुरी ने यह सम्मान पाकर गौरान्वित महसूस करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया है वही इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संयोगिता बुद्धवीर जुदेव जसपुर राजपरिवार छत्तीसगढ़ जिसमें अध्यक्षता नवीन अग्रवाल ने किया जिसमें जिला पंचायत रामपुर अतिविशिष्ट अतिथि पद्मश्री फूलवासन यादव राजनांदगाव पद्मश्री अजय कुमार मंडादी कांकेर, मोहन सुंदरानी छत्तीसगढ़ी फिल्म निर्माता टिकेश्वर (सोनू) मनहरे जनपद पंचायत तिल्दा रायपुर, वहीं इसके आयोजक डॉ. मन्नूलाल चेलक रहे।

जनसेवा ही सर्वोपरि धर्मः बृजमोहन अग्रवाल ने 140 हितग्राहियों को बांटे 21 लाख रुपये की सहायता राशि

- शिक्षा, स्वास्थ्य और लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए सांसद का संबल
- रामायण, जसगीत और भजन मंडलियों को मिली आर्थिक मजबूती

रायपुर (विश्व परिवार)। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने हमेशा की तरह अपने जनसरोकार और संवेदनशील नेतृत्व का परिचय देते हुए जरूरतमंदों की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाने और छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने के संकल्प के साथ सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने गुरुवार को 140 हितग्राहियों को संस्थागत अनुदान के तहत लगभग 21 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक वितरित किए।

जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए व्यक्तिगत हितग्राहियों के साथ ही रामायण मंडली, भजन मंडली एवं जसगीत मंडलियों से जुड़े संस्थान और समूह भी शामिल हैं।

इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, जनता की सेवा ही मेरा सर्वोपरि धर्म है। बच्चों का सुनहरा भविष्य, बीमारों का बेहतर उपचार और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण देने के लिए यह उनका प्रयास है।

वितरित की गई राशि में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के उपचार, मेधावी एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा और ग्रामीण अंचलों में सांस्कृतिक चेतना जगाने वाली संस्थाओं को प्राथमिकता दी गई।

लोक संस्कृति और भक्ति परंपरा को नया संबल

छत्तीसगढ़ की माटी, लोक कला और आस्था को सदैव शीर्ष पर रखने वाले सांसद अग्रवाल ने लोक संगीत और भक्ति परंपरा को जीवित रखने वाली संस्थाओं को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया। चेक वितरण में क्षेत्र की प्रमुख रामायण मंडलियां, भजन मंडलियां, जसगीत मंडलियां भी शामिल रहीं।

सांसद ने कहा कि ये मंडलियां केवल भजन-कीर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक समरसता और सनातन संस्कारों की रीढ़ हैं। इन्हें संबल प्रदान करना पूरे समाज को संस्कारवान बनाने का कार्य है।

राग छोड़ने के लिए उसके शाश्वत रहस्य को समझना जरूरी: साध्वी मंजुलाश्रीजी

- दादाबाड़ी में जप, तप और साधना का दौर जारी, 21 उपवास पूर्ण करने पर अशोक सुराना का बहुमान

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास 2026 के अंतर्गत श्री जिनकुशल जैन दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने गुरुवार को राग और उसके स्वरूप पर चिंतन कराया। उन्होंने कहा कि राग को छोड़ना आसान नहीं है, लेकिन उसे मंद करने के लिए लगातार पुरुषार्थ करना जरूरी है। जब व्यक्ति राग के शाश्वत रहस्य को समझने लगता है, तब संसार के प्रति उसका मोह धीरे-धीरे कम होने लगता है।

साध्वीश्री ने कहा कि हम संसार की चीजों और रिश्तों को मजबूती से पकड़कर रखना चाहते हैं, लेकिन संसार की कोई भी वस्तु हमेशा हमारे साथ रहने वाली नहीं है। उन्होंने

उदाहरण देते हुए कहा कि फूलों का गुलदस्ता चाहे कितनी भी मजबूती से बांधकर रखा जाए, एक दिन उसे टूटना और बिखरना ही है। उसी प्रकार संसार में जिन चीजों को हम अपना मानकर उनसे राग करते हैं, उनका भी एक दिन वियोग होना निश्चित है। उन्होंने कहा कि शाश्वत को समझने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है। यदि व्यक्ति में रुचि और सीखने की लगन है तो पांच वर्ष का बालक भी गहरी बात को समझ सकता है। वास्तविक समझ उम्र से नहीं, बल्कि चिंतन और रुचि से आती है। साध्वी मंजुलाश्रीजी ने कहा कि जब व्यक्ति चिंतन के माध्यम से शाश्वत को समझने लगता है तो उसकी संसार को देखने की दृष्टि बदल जाती है।

आरंग को मिली जल संसाधन विभाग की बड़ी सौगात

आरंग (विश्व परिवार)। आरंग विकासखंड के किसानों और क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए प्रदेश सरकार ने सिंचाई सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। माननीय कैबिनेट मंत्री (कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग) गुरु खुशवंत साहेब जी के अथक प्रयासों और सतत जनसेवा की प्रतिबद्धता के फलस्वरूप जल संसाधन विभाग द्वारा आरंग क्षेत्र की तीन प्रमुख सिंचाई योजनाओं के लिए 13.43 करोड़ रुपये से अधिक (1,343.76 लाख रुपये) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

क्षेत्रीय विकास और किसानों की समृद्धि के लिए सदैव तत्पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी की इस बड़ी उपलब्धि से आरंग क्षेत्र की लगभग 251 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि सीधे तौर पर सिंचित होगी, जिससे रबी और खरीफदोनों फसलों की पैदावार में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के प्रयासों से स्वीकृत प्रमुख 3 सिंचाई कार्य

कोल्हान नाले पर संडी एनीकट का निर्माण, स्वीकृत राशि: 374.76 लाख रुपए

सिंचाई क्षमता: 60 हेक्टेयर

लाभ: संडी गांव के समीप कोल्हान नाले पर एनीकट बनने से आसपास के भू-जल स्तर में तेजी से सुधार होगा और 60 हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा।

ग्राम बनरसी में बंजारी नाले पर स्टॉपडेम निर्माण

स्वीकृत राशि: 469.85 लाख रुपए, सिंचाई क्षमता: 50 हेक्टेयर

लाभ: बंजारी नाले पर स्टॉपडेम निर्माण से जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा। इससे 50 हेक्टेयर कृषि भूमि तक सिंचाई का पानी सुगमता से पहुंचेगा और जल संकट से राहत मिलेगी।

गुजरा व्यपवर्तन योजना का नहर लाईनिंग एवं जीर्णोद्धार

स्वीकृत राशि: 499.15 लाख रुपए, सिंचाई क्षमता: 141 हेक्टेयर

लाभ: गुजरा व्यपवर्तन योजना की जर्जर नहरों के जीर्णोद्धार और पक्की लाईनिंग से पानी के रिसाव तथा अपव्यय पर पूरी तरह रोक लगेगी, जिससे अंतिम छोर (टेल एरिया) के किसानों को 141 हेक्टेयर क्षेत्र में निर्बाध जल आपूर्ति होगी।

ब्रह्मविद द ग्लोबल स्कूल में कक्षा 8 के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ मनाई कृष्ण जन्माष्टमी

- मंदार, कल्पतरु, पारिजात और हरिकंडा सदनों ने 'अनुभूति' कार्यक्रम में जीवंत की भगवान कृष्ण की लीलाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। ब्रह्मविद द ग्लोबल स्कूल में आज एक विशेष दिन रहा, जब कक्षा 8 के विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित 'अनुभूति' कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जो कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर को समर्पित था। इस कार्यक्रम में विद्यालय के चार सदनों — मंदार, कल्पतरु, पारिजात और हरिकंडा — के विद्यार्थियों ने भगवान कृष्ण के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को अपनी-अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया।

हरिकंडा सदन ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता को दर्शाया, जो सच्चे

भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है और मर्यादा को भी बनाए रखती है। इसके साथ ही सदन ने रास लीला की प्रस्तुति भी दी, जिसने भारतीय संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है।

मंदार सदन ने बकासुर के वध का चित्रण किया - एक ऐसा राक्षस जो सारस के रूप में था - जिसके माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की बुराई पर विजय को दर्शाया गया। इस प्रस्तुति में बाल लीला के दृश्य भी शामिल थे, जो श्रीकृष्ण के बचपन के उस दौर को दर्शाते हैं जब उन्हें प्रेम से 'कान्हा' कहकर पुकारा जाता था।

पारसनाथ पर्वतराज की पवित्रता हेतु मांगो पर प्रचारित भ्रामक जानकारी पर स्पष्टीकरण

- सर्वोच्च जैन तीर्थ 20 जैन तीर्थंकर मोक्षस्थल श्री सम्मेद शिखर जी की पवित्रता और पर्यावरण संरक्षण हेतु केन्द्रीय वन मंत्रालय एवं झारखण्ड सरकार से मांग

सम्मेद शिखर (विश्व परिवार)। झारखंड के गिरिडीह जिले में स्तिथ सबसे ऊँचे 'पारसनाथ पर्वतराज' सर्वोच्च जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी से 24 जैन तीर्थंकरों में से 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष प्राप्त किया था, जिसका कण-कण जैन समाज के लिये पूजनीय है! पर्वतराज प्रवेशद्वार पर सामान जांच, यात्री पंजीकरण एवं पर्वतराज पर सीसीटीवी कैमरे व सुरक्षा व्यवस्था ना होने के कारण फिल्मी गानों पर अश्लील विडियो बनाएं जाने, नशा करने, बाइक संचालन आदि अन्य गैर धार्मिक गतिविधियों के कारण पर्वतराज की पवित्रता और पर्यावरण को नष्ट किया जा रहा है, जिससे सकल जैन समाज में दुख व्यापत है!

नोएडा मीडिया क्लब में विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन के अध्यक्ष श्री संजय जैन ने केंद्रीय वन मंत्रालय और झारखण्ड सरकार से पर्वतराज की पवित्रता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए पर्वतराज प्रवेशद्वार पर यात्रियों का पंजीकरण, स्कैनर व बैरियर सहित सामान जांच चेक पोस्ट बनाने, सीसीटीवी कैमरे लगाने, वंदना मार्ग को अवैध अतिक्रमण मुक्त कराने और बाइक संचालन, किसी भी प्रकार का नशा करने, प्लास्टिक सामग्री उपयोग एवं फिल्मी गानों पर विडियो रील बनाने पर प्रतिबंध की मांग की!

श्री संजय जैन ने दु:ख प्रकट करते हुए कहा कि पर्वतराज की पवित्रता बनाए रखने हेतु जारी मांगो पर सोशल मीडिया में भ्रामक जानकारी प्रेषित की जा रही है और अनावश्यक विवाद पैदा करने का दुखद प्रयास किया जा रहा है जबकि मधुवन के स्थानीय समाज, संस्था, नेता या किसी पार्टी विशेष के विरुद्ध कोई भी ना तो ब्यान दिया गया और ना ही कोई मांग की गयी है, जिसके स्पष्टीकरण के लिए विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया है!

जीवन केवल समय काटने का नाम नहीं, स्वयं को जानने का निरंतर प्रयोग है : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर जी

कुण्डलपुर (मध्यप्रदेश) (विश्व परिवार)। जीवन क्या है ? क्या हम वास्तव में जीवन जी रहे हैं या केवल समय काट रहे हैं ? यदि जीवन को विज्ञान कहा जाए तो इसके सत्य को जानने के लिए कौन-से प्रयोग किए जाएं ? इन प्रश्नों को केंद्र में रखते हुए निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि जीवन एक विज्ञान है और इस विज्ञान को समझने के लिए मनुष्य को अपने जीवन में निरंतर प्रयोग करने होंगे, उन प्रयोगों से ही परिणाम मिलते हैं और बार-बार जब एक जैसे परिणाम प्राप्त होते हें तो वही निष्कर्ष सिद्धांत का रूप लेते हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्रीय प्रचार मंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि कुण्डलपुर में निर्यापक श्रमण मुनि श्री

समतासागर जी महाराज के द्वारा 'व्हाट इज लाईफ' 'जीवन क्या है पर' प्रवचन श्रृंखला चल रही है, उसके माध्यम से जीवन को आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक दृष्टि से समझने का अवसर श्रद्धालुओं को मिल रहा है,

मुनि श्री ने आगे कहा कि भौतिक विज्ञान ने मनुष्य के जीवन को सुविधाओं से भर दिया है।धरती पर चलने वाले वाहन, आकाश में उड़ने वाले साधन, समुद्र में चलने वाले जहाज, अंतरजाल और दूरभाष जैसी सुविधाएं विज्ञान ने दीं तथा मनुष्य अन्य ग्रहों तक पहुंच गया, लेकिन मनुष्य अपनी अंतहीन इच्छाओं से बाहर निकलकर स्थायी रूप से सुखी कैसे हो, असफलता और अस्वीकृति के भय से मुक्त कैसे हो तथा जीवन को सार्थक ढंग से कैसे जिए—इन प्रश्नों का पूर्ण समाधान विज्ञान नहीं दे पाया ?उन्होंने कहा कि विज्ञान ने बाहरी संसार की यात्रा के अनेक साधन दिए, लेकिन अपने भीतर की यात्रा करने की विद्या मनुष्य को स्वयं सीखनी होगी। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि मनुष्य अपना जीवन जी रहा है या केवल वक्त काट रहा है। समय व्यतीत करना और जीवन को सार्थक बनाना अलग-अलग बातें हैं। मुनि श्री ने जैन सिद्धांतों की वैज्ञानिकता समझाते हुए कहा कि शुद्ध वस्तु के लिए मनुष्य अधिक मूल्य देने को तैयार रहता है। इसी प्रकार तीर्थंकर भगवंतों द्वारा बताए गए सिद्धांत साधारण विचार नहीं हैं, बल्कि चौबीस तीर्थंकरों की अनुभूति, साधना और आत्मानुभव से छनकर सामने आए निष्कर्ष हैं। इसलिए इन्हें केवल जैन समाज तक सीमित नहीं समझना चाहिए, बल्कि ये जन-जन के कल्याण के सिद्धांत हैं।उन्होंने वैज्ञानिक पद्धति को आध्यात्मिक साधना से जोड़ते हुए कहा कि वैज्ञानिक के मन में जब किसी सत्य को जानने की तीव्र जिज्ञासा होती है तो वह सबसे पहले अवलोकन करता है। वह अपने पूर्वाग्रहों, पसंद-नापसंद और तत्काल प्रतिक्रिया को अलग रखकर वस्तुस्थिति को जैसा है, वैसा देखता है।

जन्माष्टमी पर छत्तीसगढ़ में 750-800 करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान : कैट

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेन्द्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन श्री सुरिन्दर सिंह, श्री जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री श्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जग्गी, श्री वासु माखीजा, श्री राम मंधान, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी एवं श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर छत्तीसगढ़ के बाजारों में इस वर्ष व्यापक व्यापारिक गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) छत्तीसगढ़ के आकलन के अनुसार जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश में लगभग 750 से 800 करोड़ रुपए के कारोबार की संभावना है। इसमें पूजा सामग्री, मिठाई एवं डेयरी उत्पाद, फूल एवं सजावट सामग्री, फल-सूखे मेवे, पारंपरिक परिधान, लड्डू गोपाल की मूर्तियां एवं श्रृंगार सामग्री, उपहार, धार्मिक आयोजन, होटल, परिवहन तथा अन्य सेवाओं से जुड़ा कारोबार शामिल है।

ग्रामीणों के बीच नशा से दूर रहने की एस ई सी एल विश्रामपुर प्रबंधन ने स्वास्थ्य शिविर लगाकर जागरूकता अभियान चलाया

ग्राम महंगई के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ की दवाई का वितरण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र ने ग्राम महंगाई में स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों की आवश्यकता अनुसार दवाई का किया वितरण एवं नशा से दूर रहने के लिए महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह ने ग्रामीणों से किया आह्वान

जानकारी के अनुसार एस ई सी एल विश्रामपुर क्षेत्र ने ग्राम महगई के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में औषधि वितरण एवं नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रमका आयोजन किया । कार्यक्रम में बिश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह ने ग्रामीणों से खासकर युवा पीढ़ी से नशा से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशा घर परिवार को तोड़ देता तो वही शरीर को नुकसान पहुंचता है अतः युवा नशा से दूर रहकर सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यों में आधी रूचि दिखाएं।

कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर जागरूकता चर्चा की गई।उपस्थित अधिकारियों, स्वास्थ्यकमियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा नशामुक्ति की सामूहिक शपथ भी ली गई तथा नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उमाशंकर बैठा, आरजीके उपक्षेत्र के उपक्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत शर्मा, पर्यावरण एवं वन के नोडल अधिकारी गौतम दत्त, बिश्रामपुर क्षेत्र के चिकित्सक डॉ. सत्यपाल जोहले, रेहर के कोलियरी प्रबंधक जी. एस. ठाकुर तथा रेहर के नोडल अधिकारी श्रेयांश दुबे सहित एसईसीएल के अन्य अधिकारी एवं कमर्चारी उपस्थित रहे।

महगई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. किशन लाल सोने भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। साथ ही आसपास के गांवों के सरपंचगण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्यकर्मी भी कार्यक्रम में सहभागी बने। जनप्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्यकमियों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम को सामुदायिक स्तर पर व्यापक स्वरूप मिला तथा स्वास्थ्य एवं नशामुक्ति जागरूकता का संदेश ग्रामीण समुदाय तक प्रभावी रूप से पहुंचा।कार्यक्रम के माध्यम से निर्धारित पर्यावरणीय शर्तों के अनुपालन एवं उनकी पूर्ति के प्रति एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं वन संरक्षण के महत्व पर जागरूकता प्रदान करते हुए क्षेत्र में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने तथा विकास गतिविधियों के

साथ पर्यावरणीय दायित्वों के समुचित निर्वहन परविशेष जोर दिया गया। औषधि वितरण के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ नशामुक्ति अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में युवाओं एवं ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त परिवार, स्वस्थ समाज तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की इस पहल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा, नशामुक्ति जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक सहभागिता को एक साथ बढ़ावा देते हुए ग्रामीण समुदाय के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

बस्तर के युवाओं में असीम क्षमता, अराजकता बिल्कुल नहीं: तोमर

युवा उड़ान 2026' में बोले युवा आयोग अध्यक्ष

जगदलपुर/ छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग एवं जिला प्रशासन बस्तर के संयुक्त तत्वावधान में स्व. बलिराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में 'युवा उड़ान 2026' का भव्य और गरिमामयी आयोजन संपन्न हुआ। युवा शक्ति, विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला के मूल मंत्र के साथ आयोजित इस विशेष सम्मेलन में युवाओं के सशक्तिकरण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी पर गहन मंथन किया गया। बीजापुर से बलरामपुर तक चलाए जा रहे संवाद अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं को सकारात्मक दिशा में ऊर्जा लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर और देश का युवा सदैव सृजनात्मक सोच रखता है और वह कभी अराजक नहीं हो सकता। डिजिटल युग की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने सचेत किया कि सोशल मीडिया पर दिखने वाली हर बात सच नहीं होती। कुछ विघटनकारी ताकतें भ्रामक सामग्री फैलाकर युवाओं में असंतोष पैदा करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख गिराने का षड्यंत्र रचती हैं, इसलिए किसी भी सूचना पर आंख मूंदकर भरोसा करने के बजाय उसके तथ्यों की पड़ताल करना जरूरी है।

देश और प्रदेश में हुए विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए तोमर ने बताया कि वर्ष 2014 की तुलना में देश में एमबीबीएस की सीटें 51 हजार से बढ़कर 1 लाख 30 हजार से अधिक और मेडिकल कॉलेज 387 से बढ़कर 823 हो चुके हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर चिकित्सा शिक्षा सुलभ हुई है। दंतेवाड़ा में खुले नए मेडिकल कॉलेज का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बस्तर के छात्र अब अपने ही अंचल में रहकर डॉक्टर बन रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में भर्ती परीक्षाओं में आई शुचिता का उल्लेख करते हुए कहा कि अब बिना किसी सिफारिश के सामान्य और वंचित पृष्ठभूमि के युवा भी डिप्टी कलेक्टर व डीएसपी जैसे उच्च पदों पर चयनित हो रहे हैं। खेल प्रोत्साहन की चर्चा करते हुए उन्होंने कॉमनवेल्थ पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव को डीएसपी पद व 30 लाख रुपए तथा विश्वकप विजेता कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी को 50 लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिए जाने का जिक्र किया। युवाओं को जीवन मूल्यों की सीख देते हुए उन्होंने पतंग और डोर का उदाहरण दिया और कहा कि जीवन में चाहे जितनी भी सफलता मिले, व्यक्ति को अपने परिवार, समाज और सांस्कृतिक जड़ों से हमेशा जुड़े रहना चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने युवाओं को देश की दशा और दिशा तय करने वाला मुख्य आधार बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' और 'विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने की धुरी युवा पीढ़ी ही है। नागरिकों को सिर्फ अधिकारों की मांग करने के बजाय अपने मौलिक कर्तव्यों का भी निष्ठापूर्वक पालन करना चाहिए और यह आत्ममंथन करना चाहिए कि वे समाज और राष्ट्र के उत्थान में क्या योगदान दे रहे हैं। कलेक्टर ने डिजिटल दौर में युवाओं के भीतर तार्किक सोच (क्रिटिकल थिंकिंग) के विकास पर बल दिया, ताकि वे सूचनाओं को सही कसौटी पर परख सकें। स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने के लिए उन्होंने लाला जगदलपुरी लाइब्रेरी में स्थापित 'बस्तर कंटेंट क्रिएटर लैब' का जिक्र किया, जहां पॉडकास्ट, उन्नत कैमरे और वीडियो एडिटिंग की आधुनिक सुविधाएं नाममात्र शुल्क पर उपलब्ध कराई गई हैं।

अमलेश नागेश और मन कुरैशी की फिल्म 'तोर मयारू मोर मयारू' आज से प्रदेश के सिनेमाघरों में .....

रायपुर। नीलजय फिल्म्स के बैनर तले बनी आगामी फिल्म 'तोर मयारू मोर मयारू' प्रदेश में 58 से अधिक सिनेमाघरों सहित मल्टीप्लेक्स में जन्माष्टमी पर शुक्रवार से प्रदर्शित हो रही है! रोमांस और कॉमेडी से भरपूर फिल्म में लोकगीतों की मिठास और पुरानी परंपराओं के साथ सोशल मीडिया का जुनून और नई पीढ़ी के 'यो' स्टाइल का दिलचस्प मेल देखने को मिलेगा। देसी जुगाड़ और किरदारों के बीच की मीठी नोकझोंक फिल्म को खास बनाती है अमलेश नागेश फिल्म में आधुनिक यूट्यूबर 'माही' के किरदार में नजर आएंगे, वहीं मन कुरैशी भावुक और दिल जीत लेने वाले बैंडमास्टर 'महिंदर' की भूमिका में दिखाई देंगे। इशिका यादव चुलबुली गांव की लड़की, जबकि काजल सोनबर शहर की स्मार्ट लड़की 'गायत्री' के किरदार में नजर आएंगी। इन चार मुख्य किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती कहानी में हंसी, रोमांस और भावनाओं का खूबसूरत मेल है। फिल्म को प्रसिद्ध फिल्ममेकर मनीष मानिकपुरी प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म में कुल सात मनमोहक गीत हैं, जिन्हें अनुराग शर्मा, अल्का चंद्राकर और अनुपमा मिश्रा जैसे सुरीले गायकों ने अपनी आवाज दी है। संगीत नवलदास मानिकपुरी, अनुराग शर्मा और परवेज़ खान ने दिया है। फिल्म में संजय महानंद, सतीश जैन, उपासना वैष्णव, उर्वशी साहू, रजनीश झांझी, प्रदीप शर्मा, हेमलाल कौशल, अंजलि चौहान और क्रांति दीक्षित जैसे दिग्गज कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के निर्माता प्रणय गर्ग और को-प्रोड्यूसर निशेष त्रिपाठी हैं। निर्देशन की कमान राहुल प्रताप सिंह ने संभाली है, जबकि सिनेमैटोग्राफी विद्या नाथ भारती की है। पारिवारिक मनोरंजन के तौर पर बनाई गई 'तोर मयारू मोर मयारू' में कॉमेडी, रोमांस और भावनाओं का ऐसा संगम है, जो दर्शकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रखने का दम रखता है।

सोनी का नया 5वीं पीढ़ी का RX10V: रोज़ाना, वाइल्डलाइफऔर स्पोर्ट्स फोटोग्राफी के लिए ऑल-इन-वन सुपर ज़ूम कैमरा

नई दिल्ली : सोनी इंडिया ने आज अपने ऑल-इन-वन कैमरा की RX10 सीरीज़ का नया मॉडल RX10 V लॉन्च किया है। शौकिया फोटोग्राफरों के लिए यह बेहतरीन कैमरा है, जो एक ही बॉडी में वाइड-एंगल से लेकर सुपर-टेलीफोटो तक सब कुछ कवर करता है। बड़े अपर्चर और हाई मैग्निफिकेशन वाला ZEISS® Vario-Sonnar T* 24-600mm¹ (25× ऑप्टिकल ज़ूम) F2.4-4.0 लेंस इसे हर तरह के शॉट के लिए उपयुक्त बनाता है। RX10 V में RX10 सीरीज़ की उच्च इमेज गुणवत्ता, सुपर-टेलीफोटो पहुंच और शानदार लेंस डिजाइन का हॉलमार्क संयोजन मिलेगा। इसके साथ ही इसमें एआई तकनीक वाला 'रियल-टाइम रिकग्निशन एएफ' दिया गया है, जो सब्जेक्ट को बेहद सटीक तरीके से पहचानता है। यह कैमरा बिना रुके पूरी एएफ/एई ट्रैकिंग के साथ 30 फ्रेम प्रति सेकंड की रफ्तार से फोटो खींच सकता है, ताकि आपका कोई भी खास पल मिस न हो। चाहे इसके 1.0-टाइप स्टैक्ड Exmor RS™ CMOS इमेज सेंसर (लगभग 20.1 प्रभावी मेगापिक्सल के साथ) और BIONZ XR™ इमेज प्रोसेसिंग इंजन के साथ तस्वीरें कैप्चर करना हो, या फिर 4K 120p रिकॉर्डिंग सपोर्ट करने वाला वीडियो शूट करना हो, यह अकेला कैमरा रोज़ाना के पलों से लेकर वाइल्डलाइफ, स्कूल के स्पोर्ट्स डे और एथलेटिक इवेंट्स तक हर तरह के दृश्यों को आसानी से संभालता है।

जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ओड़गी में विकास कार्यों की समीक्षा की

अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता के दिए निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिला के ओड़गी के जनपद पंचायत सभाकक्ष में आयोजित विकासखंड स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक में शामिल होकर क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागवार योजनाओं और कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर योजनाओं एवं विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा आमजन से जुड़ी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और विकास कार्यों का वास्तविक लाभ आमजन को मिले, इसके लिए अधिकारी पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

समीक्षा बैठक में क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति, हितग्राहीमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विभागीय योजनाओं की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को लंबित कार्यों में गति लाने और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती इन्द्रमणि पैकरा सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वी.एम कालेज ऑफनर्सिंग बिश्रामपुर की छात्राओं ने लाइफलाईन एक्सप्रेस शिविर में दिया महत्वपूर्ण योगदान

लाईफलाईन एक्सप्रेस शिविर बिश्रामपुर में 16 अगस्त से दे रही है मरीजों की सेवाएं

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार) पिछले 15 दिनों से चल रहा है लाइफ लाइन एक्सप्रेस सिटी का आगामी 5 सितम्बर को हो रहा है समापन। इस शिविर में वी.एम. कालेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर का योगदान अभूपूर्व रहा । लाईफ लाईन एक्सप्रेस शिविर को सफल बनाने के लिये नर्सिंग छात्राओं ने सेवा समर्पण भाव का परिचय दिया है। शिविर के आयोजन में नर्सिंग छात्राओं ने सूरजपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर नेत्र, नाक, कान, कटे-फटे होठ, हाथ और पैर संबंधी दिव्यांगता से ग्रसित मरीजों का सर्वे किया और जरूरतमंदों की पहचान का कार्य पूरी तन्मयता से किया हैं। कालेज प्रबंधन द्वारा वी. एम. कालेज ऑफ नर्सिंग परिसर एवं संस्था के अन्य भवन को आई पी डी बनाया गया और आपरेशन से पूर्व एवं बाद में मरीजों को वहां रखा गया और उनके समुचित उपचार में सहयोग दिया गया। वी.एम. कालेज ऑफ नर्सिंग के संचालक विजयराज अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में नर्सिंग छात्रायें शिविर के आयोजन में निरंतर सहयोग प्रदान किया है।

कालेज, प्रबंधन द्वारा मरीजों को लाने ले जाने के लिये कालेज की बस की शिविर के आयोजन में लगाया गया, ताकि दूर दराज के ग्रामीणजनों को भी लाईफलाईन चिकित्सा शिविर का लाभ दिया जा सके। छात्राओं ने गांवों गांवों में घूमकर मरीजो की सूची तैयार करने और रोगों की पहचान कर उन्हे चिन्हित करने का कार्य किया है। नर्सिंग छात्राओं के द्वारा ग्रामीणों को शिविर में मिलने वाली निशुल्क सुविधाओं की जानकारी दी गई। लाईफ लाईन शिविर में नर्सिंग की छात्र-छात्रायें हर डिपार्टमेंट में सक्रिय रही हैं। पंजीयन काउंटर में मरीजों का पंजीयन कार्य में, ओपीडी में डॉक्टर कक्ष में मरीजों की जांच में, आईपीडी में मरीजों को लाने-ले जाने एवं उपचार प्रक्रिया में अग्रसेन भवन में निर्मित आईपीडी में मरीजों की देख-रेख में एवं आपरेशन शियेटर में भी सहायक के रूप में दी गई समस्त दायित्वों का निर्वाह किया है। वी. एम. कालेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर की छात्राओं का पूरा प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त प्रभावित व्यक्ति तक उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा में अपना योगदान दिया है। वी.एम. कालेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर की छात्रायें इस शिविर में अलग-अलग शिफ्ट में परिचारिका के रूप में अपनी सेवायें दे रही है। वी.एम. कालेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर के द्वारा ज्यादा से ज्यादा मरीजों को इस निःशुल्क उपचार सुविधा का लाभ प्रदान करवाया गया है। वी.एम कालेज ऑफनर्सिंग जिला प्रशासन के साथ उनके कंधे से कंधा मिलाकर शिविर की सफलता के लिये कार्य किया है।

संक्षिप्त समाचार

डी ए वी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर के नवगठित छात्र परिषद के सदस्यों को प्राचार्य एवं शिक्षकों ने कर्तव्य एवं निष्ठा की शपथ दिलाई

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- डी ए वी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर की छात्र-छात्राओं को सर्वांगीण बौद्धिक विकास के मापदंड पर नवगठित छात्र परिषद के सदस्यों को ग्यारहवीं एवं बारहवीं के कक्षा शिक्षकों एवं प्राचार्य के द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियां, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व, व्यवहार आदि विविध मापदंडों के आधार पर सत्र 2026 - 27 के लिए नवगठित छात्र-परिषद के सदस्यों का शपथ दिलाई गई । उक्त अवसर पर विद्यालय प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती एवं वरिष्ठ अध्यापक ए एम चौबे, पी के वैद्य, वरिष्ठ अध्यापिका श्रीमती अर्पणा मिश्रा एवं श्रीमती चित्रावती मिश्रा सहित कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं के कक्षा शिक्षकों के द्वारा छात्र - परिषद के सभी सदस्यों हेड ब्वॉय राघवेंद्र सिंह एवं हेड गर्ल आत्मिका पांडेय , स्कूल कैप्टन एरीना रुखसार, राहुल शर्मा एवं सिद्धि जायसवाल, डिसिप्लिन कैप्टन, रौनक सचदेवा एवं न्यासा जायसवाल स्पोर्ट्स कैप्टन , ओम ठाकुर एवं वंशिका गुप्ता कल्चरल कैप्टन, अर्नव तिवारी एवं साक्षी प्रधान अकेडमिक कैप्टन तथा अनुज कुमार वाइस स्कूल हेड ब्वॉय एवं सौम्या एक्का, वाइस स्कूल हेड गर्ल, हर्षित कुमार यादव एवं सौम्या यादव, वाइस स्कूल कैप्टन , नमन एवं सभ्या उपाध्याय वाइस डिसिप्लिन कैप्टन, शौर्य प्रताप सिंह एवं सामाक्षी कुमारी वॉइस स्पोर्ट्स कैप्टन , आदित्य श्रीवास एवं लावन्या वाइस कल्चरल कैप्टन, अमन गर्ग एवं आयुषी मित्तल वॉइस अकैडमिक कैप्टन को शेस एवं बैज पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय प्राचार्य महोदया द्वारा सभी सदस्यों को अपने दायित्वों का सत्य निष्ठा एवं ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करने हेतु शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण समारोह में छात्र परिषद के सदस्यों ने विद्यालय की गरिमा बनाए रखने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करने का संकल्प लिया। प्राचार्या श्रीमती अनामिका भारती जी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र परिषद के सदस्य विद्यालय और विद्यार्थियों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षिक गतिविधियों के अलावा खेलकूद एवं सांस्कृतिक क्रिया - कलापों आयोजन किया जाता है, जिससे बच्चो में नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होता है और वे भविष्य में देश व समाज के कर्णधार बनते हैं। छात्र परिषद के सभी सदस्यों को अनुशासन, नेतृत्व, सेवा एवं जिम्मेदारी की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने सभी नवगठित छात्र परिषद सदस्यों को उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं एस ई सी एल विश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह ने छात्र परिषद के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाएं कीं। आयोजन को सफल बनाने में समस्त विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा ।कार्यक्रम का सफल संचालन सांस्कृतिक प्रभारी विमान घोष ने किया।

जन्माष्टमी स्पेशल: कलर्स के सितारों ने भगवान कृष्ण में अपनी आस्था के बारे में खुलकर बात की

ईशा सिंह, जो कलर्स के शो 'जुही मुई' में जुही का किरदार निभा रही हैं, साझा करती हैं, जन्माष्टमी मेरे लिए हमेशा से एक खास त्योहार रहा है, खासकर जब मैं दिल्ली में बड़ी हो रही थी। मुझे अपने परिवार के साथ इसे मनाने की प्यारी यादें हैं सजनासंवरना, भजन सुनना और मंदिर जाकर कृष्ण जी का आशीर्वाद लेना, किसी भी महत्वपूर्ण काम से पहले। समय के साथ, मैंने उनके मूल्यों से गहरा जुड़ाव महसूस किया है आस्था, दया, साहस और सही के साथ खड़े रहना। य मूल्य मेरी अभिनय यात्रा में भी झलकते हैं, चाहे वह कोई बड़ा करियर निर्णय हो या जुही का किरदार निभाना, जो चुनौतियों का सामना साहस और दृढ़ता से करती है और अपने प्रियजनों को थामे रहती है। इस जन्माष्टमी पर, मैं कामना करती हूं कि कृष्ण जी सबको खुशियां, साहस और आगे बढ़ने की आस्था प्रदान करें। ऐश्वर्या खरे, जो कलर्स के शो 'डॉ. आरंभि' में आरंभि का किरदार निभा रही हैं, साझा करती हैं, जन्माष्टमी मेरे लिए हमेशा से बेहद खास त्योहार रहा है। भोपाल में बड़ी होते हुए, मुझे याद है कि दोस्तों के साथ बाहर निकलकर उत्सव का आनंद लेना, भजन सुनना और दही हांडी की रौनक देखना कितना सुखद था। जैसेजैसे मैं बड़ी हुई, मैंने कृष्ण जी की आस्था, शक्ति और ज्ञान से गहरा जुड़ाव महसूस किया।

देवभोग ब्रांड गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीकः मंत्री रामविचार नेताम

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के पशुधन विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम दुर्ग जिले के उरला (कुम्हारी) स्थित छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित (देवभोग) द्वारा आयोजित दुग्ध किसान सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देवभोग ब्रांड गुणवत्ता और अटूट विश्वास का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपनी शुद्धता के बल पर देश में एक विशिष्ट पहचान कायम की है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री नेताम ने उरला दुग्ध संयंत्र में नवीन कैंटीन का उद्घाटन किया तथा दुग्ध संयंत्र की विभिन्न प्रणालियों का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली का जायजा लिया।

पशुधन विकास मंत्री श्री नेताम ने पशुपालकों के लिए तैयार विशेष मार्गदर्शिका पुस्तिकाओं, देवभोग के रेडियो जिंगल, रिंगटोन एवं प्रेरक गीत का औपचारिक विमोचन किया। डेयरी क्षेत्र को नई दिशा देने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का लक्ष्य डेयरी क्षेत्र को आत्मनिर्भर, आधुनिक और प्रतिस्पर्धी बनाना है, ताकि किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि हो सके।

पशुधन विकास मंत्री श्री नेताम ने कहा कि पशुपालन को आजीविका का मजबूत साधन बनाने के लिए दुग्ध संग्रहण, प्रसंस्करण, विपणन नेटवर्क और तकनीकी सेवाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि दुग्ध उत्पादकों और किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए डेयरी विकास की कार्ययोजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करें। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप ''देवभोग'' को पूरे देश में गुणवत्ता और विश्वास के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता, आधुनिक उत्पादन व्यवस्था, विपणन नेटवर्क और किसानों की भागीदारी को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इससे दुग्ध उत्पादक किसानों की आय, आत्मनिर्भरता और समृद्धि में निरंतर वृद्धि होगी। सम्मेलन में पशु चिकित्सा सेवाएं के संचालक श्री चंद्रकांत वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ के वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में दुग्ध उत्पादक किसान एवं महिला पशुपालक उपस्थित थे।

विज्ञापन जगत को नई दिशा देने का संकल्प

- एडवरटाइजिंग एजेंसी एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की नई कार्यकारिणी का गठन
- राजेश दुग्गड़ अध्यक्ष एवं मनीष राज्यवर्धन महासचिव निर्वाचित

ADVERTISING AGENCY ASSOCIATION OF CHHATTISGARH MEMBER

रायपुर (विश्व परिवार)। एडवरटाइजिंग एजेंसी एसोसिएशन ऑफछत्तीसगढ़ की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए सर्वसम्मति से राजेश दुग्गड़ को अध्यक्ष एवं मनीष राज्यवर्धन को महासचिव चुना गया। चुनाव अधिकारी दीपक जैन ने चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की।

नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही प्रदेश के विज्ञापन एवं मीडिया उद्योग से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल है। एसोसिएशन के माध्यम से विज्ञापन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, व्यवसायिक हितों की मजबूती तथा उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों को और गति मिलने की उम्मीद है।

एसोसिएशन के मेंटर्स अजय जैन एवं शिवाजी मथानी, पूर्व अध्यक्ष ओंकार सिंह, पूर्व महासचिव अफसर खान सहित इंदिरा जैन, रितेश जैन, मनमोहन पारेख, विपिन चतुर्वेदी, हसन नकवी, मोहम्मद शफी, भीमसेन खन्ना,वीरेंद्र शुक्ला, विजय घोष , नितिन गिरीभट एवं शशांक विश्वकर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश दुग्गड़ एवं महासचिव मनीष राज्यवर्धन को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्यों ने कहा कि बदलते दौर में विज्ञापन उद्योग तेजी से नई तकनीक, डिजिटल मीडिया और बदलते उपभोक्ता व्यवहार के अनुरूप विकसित हो रहा है। ऐसे समय में एसोसिएशन की भूमिका केवल एजेंसियों के हितों तक सीमित न रहकर पूरे विज्ञापन उद्योग को एक मजबूत और संगठित मंच प्रदान करने की है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश दुग्गड़ ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एसोसिएशन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के लिए सभी एजेंसियों को साथ लेकर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्योग से जुड़े सभी सदस्यों के सुझावों और अपेक्षाओं को प्राथमिकता देते हुए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

महासचिव मनीष राज्यवर्धन ने कहा कि विज्ञापन उद्योग में तेजी से हो रहे बदलावों को देखते हुए एजेंसियों के बीच बेहतर सहयोग और ज्ञान का आदान-प्रदान समय की आवश्यकता है। एसोसिएशन के माध्यम से प्रदेश की विज्ञापन एजेंसियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराने, नए अवसरों को बढ़ावा देने तथा उद्योग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावी ढंग से सामने रखने का प्रयास किया जाएगा।

शिवाजी स्कूल की नई पहलः मेधावी विद्यार्थियों के अभिभावकों का सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। किसी भी विद्यार्थी का परीक्षा में प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल करना उसकी कड़ी मेहनत का परिणाम होता है, लेकिन इस सफलता के पीछे अभिभावकों का भी महत्वपूर्ण योगदान और समर्पण रहता है। अभिभावकों के इसी योगदान और प्रयासों को सम्मान देने के उद्देश्य से वीर छत्रपति शिवाजी स्कूल द्वारा एक नई पहल की गई।

बीते सत्र की वार्षिक परीक्षा में प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए पुरानी बस्ती स्थित अग्रसेन भवन में 'अभिभावक सम्मान समारोह' आयोजित किया गया। माता-पिता की मेहनत को समर्पित इस समारोह में करीब 150 अभिभावकों को सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद अभिभावकों ने कहा कि इस सम्मान से उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा मिली है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य को लेकर वक्ताओं द्वारा रखे गए विचारों से कई अभिभावक भावुक हो गए। अभिभावकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए खुशी जाहिर की और कहा कि यह पहला अवसर है, जब उनके बच्चों की उपलब्धि के लिए उन्हें भी सभी अभिभावकों के सामने सम्मानित किया जा रहा है।

यशोदा हॉस्पिटल्स में आधुनिक तकनीकों से जटिल फेफड़ों की बीमारियों के इलाज

- रोबोटिक सर्जरी, एआई आधारित जांच और लंग ट्रांसप्लांट से मरीजों को नई उम्मीद

रायपुर (विश्व परिवार)। फेफड़ों से जुड़ी बीमारियां आज देश के सामने तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों में शामिल हैं। टीबी, अस्थमा, सीओपीडी, निमोनिया, इंटरस्टिशियल लंग डिजीज और फेफड़ों के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में समय पर पहचान और सही इलाज मरीज की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है। इसी दिशा में आधुनिक तकनीकों के जरिए फेफड़ों की जटिल बीमारियों की जांच और उपचार के नए विकल्प विकसित हो रहे हैं।

यशोदा हॉस्पिटल्स, हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित पल्मोनोलॉजी विभाग में एडवांस्ड डायग्नोस्टिक और इंटरवेंशनल तकनीकों के माध्यम से जटिल श्वसन रोगों की सटीक जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

कंसल्टेंट इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. वी. प्रतिभ प्रसाद ने बताया कि आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अब फेफड़ों के उन हिस्सों तक भी पहुंचना संभव हो रहा है, जहां पहले जांच करना काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता था। अस्पताल में नेविगेशनल ब्रोंकोस्कोपी, कोन बीम सीटी गाइडेड बायोप्सी और आर्किमिडीज ट्रांसब्रोंकियल टनलिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इनकी सहायता से फेफड़ों में मौजूद संदिग्ध नोड्यूल्स और अन्य जटिल समस्याओं की जांच अधिक सटीक तरीके से की जा सकती है।

भारत की पहली लंग नोड्यूल क्लिनिक

यशोदा हॉस्पिटल्स में भारत की पहली समर्पित लंग नोड्यूल क्लिनिक शुरू की गई है। इसका उद्देश्य फेफड़ों में पाए जाने वाले संदिग्ध नोड्यूल्स की समय पर जांच करना और फेफड़ों के कैंसर की शुरुआती अवस्था में पहचान को बेहतर बनाना है। विशेषज्ञों के अनुसार, कैंसर की समय पर पहचान से मरीजों के उपचार के परिणाम बेहतर हो सकते हैं।

राजहरा माइंस अस्पताल के मेगा मेडिकल कैंप में 636 मरीजों को मिली विशेषज्ञ चिकित्सा सेवा

रायपुर (विश्व परिवार)। भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस अस्पताल में आयोजित मेगा मेडिकल कैंप में कुल 636 मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में कर्मचारियों, हितग्राहियों तथा आसपास के समुदाय के लोगों को विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं के अंतर्गत परामर्श, चिकित्सकीय परीक्षण, उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

मेगा मेडिकल कैंप में पेन मैनेजमेंट, शिशु रोग, कान, नाक एवं गला (ईएनटी), मेडिसिन, अस्थि रोग, नेत्र रोग तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग सहित विभिन्न विशेषज्ञताओं के चिकित्सकों ने सेवाएं प्रदान कीं। एक ही स्थान पर विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता से मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श के साथ व्यापक चिकित्सकीय मूल्यांकन और रोगी-केंद्रित उपचार का लाभ मिला। शिविर में पेन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डॉ. कुमुदनी तिग्गा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कौशिक किशोर, कान, नाक एवं गला विशेषज्ञ डॉ. अश्विन अशोक जैसवाल, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. पूनम प्रसाद, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकुर कुंडू, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुलभ साहू तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या तेजस्विनी ने मरीजों को विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं।

नेकी की दीवार साईट की विशेष सफाई हुई

- पुराने अनुपयोगी कपड़ों और गन्दगी को तत्काल उठवाकर कायम की स्वच्छता

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त गन्दगी से सम्बंधित जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा द्वारा दिए गए निर्देश पर नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के मार्गनिर्देशन में नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वच्छता निरीक्षक श्री रितेश झा की उपस्थिति में जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्रमांक 20 क्षेत्र अंतर्गत भारत माता चौक के पास कोटा मार्ग में रायपुर पुलिस कमिश्नरी अंतर्गत रायपुर पश्चिम क्षेत्रीय कार्यालय के समीप नेकी की दीवार साईट पर पहुंचकर वहाँ सफाई अभियान चलाकर और पुराने अनुपयोगी कपड़ों का कचरा और गन्दगी तत्काल उठवाकर जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा बाबत स्वच्छता कायम करते हुए प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

विधायक रमन सिंह, सांसद संतोष पाण्डे व महापौर मधुसूदन यादव ने कृष्ण जन्माष्टमी की दी शुभकामनाए

राजनांदगांव। भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को भगवान श्री कृष्ण की जयन्ती, कृष्ण जन्माष्टमी की विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद श्री संतोष पाण्डे एवं महापौर श्री मधुसूदन यादव ने नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाए दी है। उन्होने कहा कि, भादो माह के कृष्ण पक्ष के अष्टमी तिथि की मध्य रात्रि को भगवान श्री कृष्ण का अवतरण हुआ था, इसलिए कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में इस त्यौहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। विधायक डॉ. सिंह, सांसद श्री पाण्डे एवं महापौर श्री यादव ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि, जब जब पृथ्वी पर अधर्म और अत्याचार बढ़ता गया तब तब भगवान जगदीश पृथ्वी पर जन्म लिए। भगवान विष्णु द्वारा लिए गए अवतारों में राम अवतार, कृष्ण अवतार सबसे प्रमुख है।

पंडरी टेक्सटाइल मार्केट में 'आनंदम' नवीन प्रतिष्ठान का शुभारंभ

- विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा- निरंतर प्रगति की ओर बढ़े प्रतिष्ठान

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के पंडरी स्थित टेक्सटाइल मार्केट में गुरुवार को मनोज डेंगवानी जी के नवीन प्रतिष्ठान 'आनंदम' का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर रायपुर नगर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा विशेष रूप से शामिल हुए और नवीन प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर मनोज डेंगवानी जी एवं उनके परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि किसी भी नए प्रतिष्ठान का शुभारंभ केवल व्यवसाय की शुरुआत नहीं, बल्कि नई उम्मीदों, नए अवसरों और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होता है। 'आनंदम' नाम अपने आप में सकारात्मकता, प्रसन्नता और समृद्धि का संदेश देता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रतिष्ठान ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा तथा व्यापार के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयां प्राप्त करेगा।

उन्होंने कहा कि पंडरी टेक्सटाइल मार्केट रायपुर की व्यापारिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां वर्षों से हजारों व्यापारी अपने परिश्रम और लगन से शहर की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। ऐसे में नए प्रतिष्ठानों का जुड़ना व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार और स्थानीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रतीक है।

नए आयुक्त लीना कोसम ने संभाला नगर निगम का कार्यभार, आयुक्त मोहेंद्र साहू ने सौंपा प्रभार

- आयुक्त लीना कोसम ने पदभार के बाद महापौर अलका बाघमार से की सौजन्य मुलाकात

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम दुर्ग में गुरुवार को वर्ष 2020 बैच की आईएएस अधिकारी लीना कोसम ने नगर निगम आयुक्त के पद पर पदभार ग्रहण कर कार्यभार संभाल लिया। दोपहर 1,30 बजे निवर्तमान आयुक्त मोहेंद्र साहू ने उन्हें विधिवत प्रभार सौंपा। इस अवसर पर निगम के विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।पदभार ग्रहण करने के बाद आयुक्त लीना कोसम ने नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बारी-बारी परिचय प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारियों से उनके विभागों में संचालित कार्यों, योजनाओं एवं वर्तमान प्रगति की जानकारी ली तथा कार्यों को समयबद्ध एवं बेहतर तरीके से पूर्ण करने पर जोर दिया।

आयुक्त लीना कोसम ने कहा कि शहरवासियों तक मूलभूत सुविधाएं बेहतर तरीके से पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम से जुड़े विभिन्न कार्यों को समझने के साथ ही शहर की आवश्यकताओं और नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

नवीन बाजार में अतिक्रमण पर नगर पालिका की सख्ती

- चिन्हांकित स्थल से बाहर व्यवसाय करने वालों को दी समझाइश

कवर्धा (विश्व परिवार)। नवीन बाजार में गुरूतेग बहादुर चौक से लेकर रेवाबंद मार्ग, विंध्यवासिनी मार्ग तक व्यवसाय कर रहे व्यवसायियों द्वारा सड़क में अतिरिक्त बांस बल्ली लगाकर व्यवसाय किया जा रहा था जिससे आवागमन के साथ-साथ यातायात बाधित हो रहा था लगातार आ रही शिकायतों को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका प्रशासन, जिला प्रशासन, यातायात प्रशासन के संयुक्त तत्तवाधान में अतिक्रमणकारियों को हटाया जाकर बैठने के स्थान तय करते हुए चिन्हांकित किया गया था उसके बाद भी चिन्हांकित स्थल से बाहर बैठकर व्यवसाय शुरू कर दिया गया था जिसे पुन: समझाईश दिया गया।

चिन्हांहित स्थल मे ही करें व्यवसाय

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि नवीन बाजार क्षेत्र में सड़क पर अतिरिक्त बांस-बल्ली लगाकर व्यवसाय करने के कारण लगातार बाधित हो रहे आवागमन और यातायात को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। गुरूतेग बहादुर चौक से रेवाबंद मार्ग एवं विंध्यवासिनी मार्ग तक सड़क किनारे व्यवसाय कर रहे दुकानदारों द्वारा निर्धारित स्थान से बाहर तक बांस-बल्ली लगाकर दुकानें संचालित की जा रही थीं, जिससे आम नागरिकों एवं वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

सड़क ना हो बाधित, इसका ध्यान रखने दी चेतावनी

नवीन बाजार क्षेत्र में यातायात बाधित होने तथा सड़क पर अतिक्रमण को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका प्रशासन, जिला प्रशासन एवं यातायात प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में पूर्व में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। साथ ही व्यवसायियों को व्यवस्थित रूप से व्यवसाय करने के लिए उनके बैठने एवं दुकान लगाने के स्थान निर्धारित कर चिन्हांकित किए गए थे। इसके बावजूद कुछ व्यवसायियों द्वारा पुन: चिन्हांकित स्थल से बाहर बैठकर व्यवसाय शुरू कर दिया गया। इससे सड़क एवं आवागमन के लिए उपलब्ध स्थान प्रभावित होने लगा। स्थिति को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन द्वारा मौके पर पहुंचकर संबंधित व्यवसायियों को पुन: समझाइश दी गई तथा उन्हें निर्धारित एवं चिन्हांकित स्थल के भीतर ही व्यवसाय संचालित करने के निर्देश दिए गए।

कैलाश खेमानी को फाडा जनरल काउंसिल मेंबर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) के उपाध्यक्ष एवं सिटी होंडा, रायपुर के संचालक श्री कैलाश खेमानी जी को फाडा का जनरल काउंसिल मेंबर बनाया गया है।

एफएडीए के जनरल काउंसिल में कुल 40 सदस्य होते हैं फाडा में छत्तीसगढ़ के फोर व्हीलर, कमर्शियल व्हीकल एवं ट्रेक्टर डीलर्स मिला कर कुल 257 सदस्य है और रायपुर में राडा के 97 सदस्य हैं जिनका प्रतिनिधित्व करने के लिए रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसियेशन ने श्री कैलाश खेमानी का नाम फाडा के जनरल काउंसिल मेंबर के लिए प्रस्ताव भेजा था।

श्री कैलाश खेमानी रायपुर के प्रतिष्ठित होंडा टू व्हीलर व्यवसायी होने के साथ-साथ राडा के सक्रिय एवं समर्पित पदाधिकारी हैं। एसोसिएशन में बोर्ड सदस्य एवं उपाध्यक्ष के रूप में उन्होंने ऑटोमोबाइल व्यवसायियों के हितों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सक्रियता से कार्य किया है। उनके योगदान की सराहना रायपुर के ऑटोमोबाइल व्यवसायियों द्वारा लगातार की जाती रही है।

राडा द्वारा आयोजित ऑटो एक्सपो के सफल आयोजन में भी श्री कैलाश खेमानी जी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने आयोजन की तैयारियों, डीलर्स के समन्वय तथा विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए ऑटो एक्सपो को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके इस समर्पण एवं कार्यकुशलता के लिए राडा द्वारा उन्हें कई अवसरों पर सराहा गया है।

श्री खेमानी सदैव नए कार्यों एवं नवाचारों के माध्यम से ऑटोमोबाइल व्यवसायियों के हितों को प्राथमिकता देते रहे हैं। वे एसोसिएशन एवं व्यवसायियों से जुड़े विषयों को संबंधित विभागों एवं शासन-प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने तथा सरकार और ऑटोमोबाइल व्यवसायियों के बीच एक सशक्त सेतु एवं समन्वयक की भूमिका निभाने के लिए जाने जाते हैं।

धरसीवां में मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ली सचिवों की समीक्षा बैठक

धरसीवां (विश्व परिवार)। जनपद पंचायत धरसीवां में मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशीष केशरवानी द्वारा ग्राम पंचायत सचिवों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में VB-G रामजी के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम 50 लाख रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर कार्यों को गति देने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के सभी अपूर्ण आवासों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने तथा लंबित आवासों की नियमित मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया गया।

छत्तीसगढ़ शासन
मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1076
एकीकृत हेल्पलाइन
एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली
एक फोन कॉल पर
नागरिकों की समस्याओं का
त्वरित निराकरण
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
सुशासन से समृद्धि की ओर
ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
SAMVAD- 48627/35